P372

इंदौर, सोमवार 20 जुलाई 2026
वर्ष : 5 अंक : 226
पृष्ठ : 6 मूल्य : 2

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

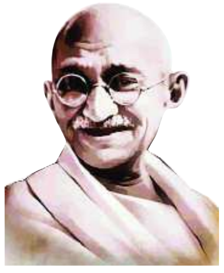
राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

श्रद्धा के समंदर में उमड़ी आस्था की हिलोरें

पेज-2

पीवी सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय

पेज-5

लवकुश फ्लाईओवर पर दौड़ेंगे वाहन

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- लखनऊ : जवाहर भवन में लगी भीषण आग
- मानसून हो या और मानसून सत्र, अगर दोनों ही प्रोडक्टिव होते हैं तो देश का कल्याण होता है : पीएम मोदी
- ईरान के केरमानशाह प्रांत में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया
- सोनम वांगचुक की पत्नी दोबारा पहुंची HC, हॉस्पिटल बदलने की मांग
- राजीव चौक और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशनों पर इंटरचेंज शुरू, गेट भी खुले : DMRC
- नीतीश कुमार राज्यसभा सदस्य बनने के बाद पहली बार संसद की कार्यवाही में शामिल होंगे
- दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में कुछ देर में बारिश का अलर्ट
- पेरू में भूकंप : 6 लोगों की मौत, 21 घायल
- जॉर्डन के अकाबा एयरपोर्ट पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले में अमेरिकी विमान को निशाना बनाया-ईरान
- काला सागर में कार्गो जहाज पर रूसी हमले में 5 लोगों की मौत

दतिया उपचुनाव के बाद होगा मोहन मंत्रिमंडल का बहुप्रतीक्षित फेरबदल

लखन पटेल के बाद बढ़ी अन्य मंत्रियों की चिंता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • पशुपालन एवं डेयरी विभाग वापस लेने की कार्रवाई को भाजपा संगठन और सरकार एक स्पष्ट संदेश के रूप में देख रहे हैं। बताया जा रहा है कि जिन शिकायतों के आधार पर लखन पटेल से विभाग वापस लिया गया, उसी प्रकार की शिकायतें चार अन्य मंत्रियों के खिलाफ भी मुख्यमंत्री कार्यालय और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच चुकी हैं। इन शिकायतों की जांच संगठन अपने स्तर पर करा रहा है। यदि रिपोर्ट प्रतिकूल आती है तो आने वाले दिनों में कुछ और चौंकाने वाले फैसले सामने आ सकते हैं।

तीन से चार मंत्रियों की हो सकती है विदाई-भाजपा संगठन से जुड़े सूत्रों का दावा है कि मंत्रिमंडल विस्तार के साथ तीन से चार मंत्रियों की विदाई लगभग तय मानी जा रही है। इनमें ऐसे मंत्री शामिल बताए जा रहे हैं जिनके विवादित बयानों या कार्यशैली के कारण सरकार और संगठन को कई बार असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। इसके अलावा कुछ वरिष्ठ मंत्रियों के विभाग बदलने की भी चर्चा है। माना जा रहा है कि प्रभावशाली विभागों की जिम्मेदारी नए चेहरों को देकर कुछ वरिष्ठ मंत्रियों को अपेक्षाकृत हल्के विभाग सौंपे जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री के पास अब भी कई अहम विभाग

वर्तमान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में 30 मंत्री हैं। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार वे अभी चार और विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल कर सकते हैं। रामनिवास रावत के चुनाव हारने और मंत्रिमंडल से बाहर होने के बाद वन एवं पर्यावरण विभाग मुख्यमंत्री के पास ही है। अब पशुपालन एवं डेयरी विभाग भी उनके पास आ गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री के पास लगभग एक दर्जन विभागों की जिम्मेदारी बताई जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ मुख्यमंत्री की व्यस्तताएं और बढ़ेंगी। ऐसे में वे अपने पास मौजूद कुछ महत्वपूर्ण विभाग नए मंत्रियों को सौंप सकते हैं। 24 जुलाई को विधानसभा का मानसून सत्र समाप्त होगा, जबकि 3 अगस्त को दतिया विधानसभा उपचुनाव का परिणाम घोषित होना है। भाजपा नेतृत्व नहीं चाहता कि उपचुनाव के दौरान मंत्रिमंडल विस्तार से कोई राजनीतिक संदेश या असंतोष का माहौल बने।

छह नए चेहरों को मिल सकता है मौका

मुख्यमंत्री इस विस्तार के जरिए विधानसभा चुनाव से पहले संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल बनाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। संभावना है कि नए मंत्रियों के चयन में जिन बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, उनमें क्षेत्रीय संतुलन, जातीय प्रतिनिधित्व, युवा और अनुभवी चेहरों का मिश्रण और संगठन के प्रति सक्रियता शामिल हैं। वहीं आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीतिक जरूरतों को देखते हुए इस बार ओबीसी, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ब्राह्मण वर्ग के प्रतिनिधित्व पर भी विशेष ध्यान दिए जाने की संभावना जताई जा रही है।

दिल्ली की सहमति के बाद होगा अंतिम फैसला

भाजपा में मंत्रिमंडल विस्तार का अंतिम निर्णय केंद्रीय नेतृत्व की सहमति से होता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल पहले ही सार्वजनिक रूप से संकेत दे चुके हैं कि मंत्रिमंडल विस्तार होगा, हालांकि उन्होंने समय-सीमा स्पष्ट नहीं की थी। अब राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि दतिया उपचुनाव के बाद सरकार का नया स्वरूप सामने आ सकता है। इस फेरबदल का उद्देश्य केवल प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना नहीं होगा, बल्कि 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले संगठनात्मक और सामाजिक समीकरणों को भी मजबूत करना होगा।

प्रदेश अध्यक्ष का 'परिवार प्रयोग'!

भोपाल से सीधे भतीजे को बना डाला महामंत्री

ग्रामीण एससी मोर्चा की कार्यकारिणी घोषित, हातोद के चन्द्रशेखर छपोला बने जिलाध्यक्ष

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • भाजपा में परिवारवाद पर कांग्रेस को घेरने वाली पार्टी के भीतर ही अब 'परिवार पहले, संगठन बाद में' का नया अध्याय खुलता नजर आ रहा है। अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार ने भोपाल से आदेश जारी करवाकर अपने ही भतीजे कमल परमार को ग्रामीण जिला इकाई का महामंत्री बनवा दिया। इस नियुक्ति ने संगठन के भीतर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

दरअसल, भोपाल से जारी सूची में हातोद निवासी चन्द्रशेखर छपोला को ग्रामीण एससी मोर्चा का जिलाध्यक्ष बनाया गया। छपोला लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहे हैं और जमीनी कार्यकर्ता के रूप में उनकी पहचान है। लेकिन सूची में सबसे ज्यादा चर्चा कमल परमार के नाम की हो रही है, जिन्हें सीधे ग्रामीण जिला महामंत्री बना दिया गया।

जिलाध्यक्ष की सहमति से पहले ही 'परिवार की एंट्री'

भाजपा संगठन में सामान्य तौर पर जिलाध्यक्ष की कार्यकारिणी उसके परामर्श और सहमति से बनती है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब नए जिलाध्यक्ष को अभी अपनी टीम तय करने का अवसर भी नहीं मिला था, तब पहली ही सूची में प्रदेश अध्यक्ष के भतीजे का नाम कैसे शामिल हो गया?

इतनी जल्दी क्यों थी?

ग्रामीण क्षेत्र के कई दावेदार पिछले कई महीनों से मोर्चा अध्यक्ष और महामंत्री पद के लिए सक्रिय थे। सूत्रों का दावा है कि भगवान परमार को आशंका थी कि यदि पूरी कार्यकारिणी जिलाध्यक्ष की सहमति से बनी, तो उनके भतीजे को मनचाहा पद नहीं मिल पाएगा। इसी कारण उन्होंने सीधे भोपाल स्तर पर नाम तय करवाया।

एसजीएसआइटीएस : मंत्री ने कतर दिए निदेशक के पावर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • श्री गोविंदराम सेक्सरिया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (एसजीएसआइटीएस) में नियम विरुद्ध संविदा शिक्षकों की नियुक्ति पर सवाल खड़े होने लगे हैं। तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार की आपत्ति के बाद कालेज ने नए सिरे से नियुक्ति प्रक्रिया करने का फैसला लिया है। इस संबंध में विज्ञापन जारी कर दिया है, जिसमें सभी ब्रांच के संविदा शिक्षकों की नियुक्ति करने पर जोर दिया है। साक्षात्कार की प्रक्रिया 27 जुलाई को रखी गई है। इसे लेकर उम्मीदवारों से आवेदन मंगवाए हैं।

संविदा नियुक्ति के नियमों में बदलाव और हड़कंप-खास बात यह है कि नियुक्ति प्रक्रिया में नियम बदले हैं। निदेशक की बजाए विभागाध्यक्ष स्तर पर साक्षात्कार करवाए जाएंगे। बीते दिनों संविदा शिक्षकों को बिना साक्षात्कार प्रक्रिया अपनाए कालेज ने कार्यकाल बढ़ा दिया था। 3 से 13 जुलाई के बीच तीन सूची निकाली गई। लगभग 100 से ज्यादा शिक्षकों का कार्यकाल बढ़ा दिया। आनन-फानन में कालेज प्रबंधन ने तीनों आदेश निरस्त कर दिए। वैसे इनकी सेवाएं 31 जुलाई तक ली जाएंगी। उस बीच 27 जुलाई को नए सिरे से साक्षात्कार प्रक्रिया होगी। इच्छुक उम्मीदवारों को सात दिनों में आवेदन करने को कहा गया है।

विभागाध्यक्षों को मिले साक्षात्कार के अधिकार

नियमानुसार निदेशक स्तर पर संविदा शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया होती है। नियम बोर्ड आफ गवर्निंग में रखने के पहले ही बदल दिया है। इस बार विभागाध्यक्षों को साक्षात्कार करवाने यह के अधिकार दिए हैं। अब यह देखना है कि जिन संविदा शिक्षकों का कार्यकाल बढ़ाया गया है, उन्हें ही दोबारा नियुक्त किया जा रहा है या फिर प्रक्रिया में नए आवेदकों को भी शामिल किया जाएगा।

'संसद जाने से हमें कोई नहीं रोक सकता...' मार्च से पहले अभिजीत दिपके का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी) • कॉकरोच जनता पार्टी आज संसद भवन तक मार्च करने जा रही है। संसद के मॉनसून सत्र के बीच होने वाले इस आंदोलन के चलते संसद भवन और उसके आस-पास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। नई दिल्ली में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 (पुरानी धारा 144) भी लागू कर दी गई है। मार्च से पहले अभिजीत दिपके ने बड़ा ऐलान कर दिया, उन्होंने कहा कि संसद जाने से हमें कोई नहीं रोक सकता है।

नीट पेपर लीक मामले और देश में बढ़ती बेरोजगारी के खिलाफ कॉकक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) का प्रदर्शन अब और उग्र हो गया है। आज यानी 20 जुलाई 2026 से संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हो रही है। इसी के साथ सीजेपी ने एक बड़े 'चलो संसद' मार्च का ऐलान किया है। इस मार्च के समर्थन में देश भर से छात्र, प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थी और उनके पेरेंट्स 19 जुलाई की शाम से ही दिल्ली के जंतर-मंतर पर जुटने शुरू हो गए थे। संसद के मॉनसून सत्र के बीच इस बड़े आंदोलन को देखते हुए दिल्ली पुलिस और खुफिया एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट पर हैं। जंतर-मंतर पर सुरक्षा व्यवस्था के खास इंतजाम किए गए हैं। नई दिल्ली के डीसीपी सचिन शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पब्लिक एडवाइजरी जारी की है।

जंतर-मंतर पर थ्री-टियर सुरक्षा ग्रिड

सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए जंतर-मंतर, पार्लियामेंट स्ट्रीट, सेंट्रल विस्टा, कनॉट प्लेस और शंकर चौक जैसे स्थानों पर थ्री-टियर सुरक्षा ग्रिड बनाया गया है। इसमें दिल्ली पुलिस के जवानों की दो परतें और पैरामिलिट्री फोर्स की एक परत शामिल है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए रैपिड रिस्पॉन्स टीमें चौबीसों घंटे स्टैंडबाय पर हैं।

कृषि सहकारी संस्था की जमीन पर बड़ा खेल

अवैध हुई 'लक्ष्य विहार', फिर भी बड़े-बड़े होर्डिंग की बहार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • राऊ तहसील के ग्राम रंगवासा में पट्टे की कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी लक्ष्य विहार विकसित करने का मामला प्रशासनिक लापरवाही की बड़ी मिसाल बनकर सामने आया है। हैरानी की बात यह है कि जिस कॉलोनी को अपर कलेक्टर न्यायालय ने करीब एक वर्ष पहले ही अवैध घोषित कर दिया था, वहां सड़कें, बाउंड्रीवाल और अन्य निर्माण धड़ल्ले से होते रहे। कॉलोनाइजरों ने बड़े-बड़े झंडे लगाकर खुलेआम ब्रांडिंग की, लेकिन जिम्मेदार अमला तमाशबीन रहा। बना

मामला ग्राम रंगवासा के सर्वे नंबर 1/2/7, 4/12, 4/31, 4/49, 4/16, 4/35, 4/23 और 4/53 का है। राऊ एसडीओ की वर्ष 2025 की जांच रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया था कि बोंदर, रामा, सोरमबाई, सुगनबाई, रामीबाई, विकास, विद्या, भारती, फूलीबाई, नगजीराम तथा विकास, सभी निवासी ग्राम रंगवासा, बिना सक्षम अनुमति के कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी लक्ष्य विहार विकसित कर छोटे-छोटे प्लॉट बेच रहे हैं। रिपोर्ट के आधार पर अपर कलेक्टर गौरव बैनल ने कॉलोनी को अवैध घोषित करते हुए तहसीलदार राऊ को संबंधित खसरों में अवैध कॉलोनी प्रकरण लंबित दर्ज करने और नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद निर्माण नहीं रुका।

स्वामित्व विवाद कोर्ट में, फिर भी जमीन पर चलता रहा खेल- भूमि के स्वामित्व का विवाद फिलहाल उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। इसी कारण अधिकारी खुलकर बोलने से बच रहे हैं। चूंकि अफसरों का कहना है कि वे कोर्ट में प्रशासन का पक्ष मजबूती से रखने की तैयारी में जुटे हुए है। इधर, तहसीलदार सत्येद्र सिंह का कहना है कि कोर्ट में मामला विचारधीन है। दो बार कोर्ट कास्ट भी लगा चुका है। हम प्रशासन का पक्ष मजबूती से रख रहे हैं।

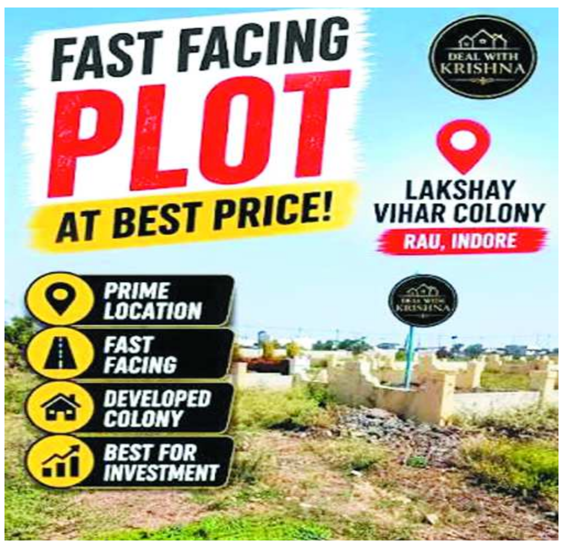

कृषि के लिए मिली जमीन, फिर कैसे बदल गए मालिक

जांच में सामने आया कि सर्वे नंबर 1 और 4 की भूमि वर्ष 1959-60 से 1978 तक शासकीय रिकॉर्ड में दर्ज थी। बाद में यह भूमि श्री गणेश सामूहिक कृषि सहकारी संस्था के नाम दर्ज हुई। यह जमीन कृषि प्रयोजन और सदस्यों के जीवन-यापन के लिए आवंटित की गई थी। वर्ष 2003 में संस्था के स्थान पर 18 सदस्यों के नाम दर्ज हो गए, लेकिन यह आज तक स्पष्ट नहीं हो सका कि किस वैधानिक आदेश के तहत यह नामांतरण हुआ। अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट में यह भी स्वीकार किया कि संस्था के वास्तविक पंजीकृत सदस्यों और उसके मूल उद्देश्य तक की जानकारी उपलब्ध नहीं है। वर्ष 2023 में कलेक्टर से भूमि बिक्री की अनुमति मांगी गई थी, जिसे निरस्त कर दिया गया था।

इंदौर में 12 दिनों से थमी बारिश, उमस से लोग परेशान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • जुलाई के पहले हफ्ते में जोरदार बारिश के बाद अब मानसून की लंबी खामोशी ने इंदौरवासियों की परेशानी बढ़ा दी है। पिछले 12 दिनों से शहर में बारिश नहीं हुई है। आसमान में बादल छाने और तेज हवाएं चलने के बावजूद बरसात नहीं होने से उमस लगातार बढ़ रही है। हालांकि मौसम विभाग ने अगले सप्ताह से फिर अच्छी बारिश की संभावना जताई है।

शनिवार को शहर में हवा में नमी का स्तर सुबह 80% और शाम को 52% दर्ज किया गया। इसके चलते दिनभर उमस बनी रही। अधिकतम तापमान 32.2 (+2) डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 24.1 (+1) डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इस तरह दिन और रात का तापमान सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा रहा। इससे उमस का दौर बना हुआ है।

बंगाल की खाड़ी से मिलेगा मानसून को सहारा

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हो रहा नया लो-प्रेशर एरिया और पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव मालवा-निमाड़ क्षेत्र में मानसून को दोबारा सक्रिय करेगा। इसके चलते रविवार से मौसम में बदलाव शुरू होगा और अगले पूरे हफ्ते रुक-रुककर अच्छी बारिश होने की संभावना है।

आज-कल ऐसा रहेगा मौसम

दिनभर बादल छाए रहने के साथ उमस बनी रह सकती है। दोपहर बाद कुछ क्षेत्रों में गरज-चमक के बौछारें गिर सकती है। सोमवार से बारिश की गतिविधियां और तेज हो सकती है। शहर और आसपास के इलाकों में मध्यम से तेज बारिश का दौर शुरू हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

नेशनल आर्टिस्ट्स चैम्पियनशिप 2026 आज से, सीएम डॉ. यादव होंगे मुख्य अतिथि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ब्यूटी और वेलनेस इंडस्ट्री से जुड़े प्रोफेशनल्स, हेयर आर्टिस्ट्स, मेकअप एक्सपर्ट्स और उभरती प्रतिभाओं के लिए इंदौर में सोमवार से नेशनल आर्टिस्ट्स चैम्पियनशिप 2026 की शुरुआत होने जा रही है। 20 से 22 जुलाई तक फीनिक्स सिटाडेल मॉल में आयोजित होने वाली इस तीन दिवसीय चैम्पियनशिप में देशभर से आर्टिस्ट्स, ब्यूटी प्रोफेशनल्स, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और प्रमुख ब्रांड्स एक मंच पर नजर आएंगे। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

फिज़िक्सवाला ने नीट में छात्रों के शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शिक्षा कंपनी फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने नीट 2026 के अपने छात्रों के परिणाम साझा किए हैं, जिसमें कई छात्रों ने नीट की ऑल इंडिया रैंक में शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। रविकांत दिवाकर (55), शिवांश आनंद (152), दिव्यांश जायसवाल (173) और साक्षी कुमारी (192) उन छात्रों में शामिल हैं जिन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया। ये उपलब्धियां फिज़िक्सवाला के लर्निंग इकोसिस्टम के उन विकल्पों की सुविधा को दर्शाती हैं।

टाटा प्ले बिंज पर वर्टिगो टीवी और भक्तिफ्लिक्स उपलब्ध हुए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत में तेजी से लोकप्रिय हो रही नाटक और भक्ति शैली की ये श्रेणियां एक ही मंच पर देखी जा सकेंगी टाटा प्ले बिंज पर अब वर्टिगो टीवी और भक्तिफ्लिक्स भी देखे जा सकेंगे। यह नई पेशकश वन टेक मीडिया के साथ साझेदारी में उपलब्ध होगी। वर्टिगो टीवी टाटा प्ले बिंज शॉर्ट्स पर उपलब्ध हो गया है।

पानी बचाने का नया ब्लूप्रिंट : अब हर नई ऊंची इमारत में ट्रीटेड पानी से फ्लश होंगे टॉयलेट

भूजल बढ़ाने के लिए रिचार्ज शाफ्ट भी अनिवार्य, बचेगा लाखों लीटर शुद्ध पानी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में बनने वाली 12.5 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली नई इमारतों में अब केवल सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) लगाना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि ट्रीटेड (शोधित) पानी के पुन: उपयोग के लिए ड्यूल पाइप सिस्टम भी अनिवार्य किया जाएगा। यानी घरों और अपार्टमेंट्स के टॉयलेट फ्लश, बागवानी और अन्य गैर-पीने योग्य कार्यों में अब भूजल या नर्मदा के साफ पानी की बजाय एसटीपी से तैयार पानी का उपयोग किया जाएगा। इससे हर दिन लाखों लीटर पेयजल बचाने का रास्ता खुलेगा।

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने रविवार को निपानिया स्थित पीनेकल हाउसिंग सोसायटी और देवास नाका क्षेत्र में बनाए गए वाटर रिचार्ज शाफ्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भवन निर्माण से जुड़े अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि भवन निर्माण की अनुमति जारी करने के समय ही ड्यूल पाइप सिस्टम और रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए।

भविष्य की जरूरत के हिसाब से तैयारी

इंदौर की आबादी लगातार बढ़ रही है और आने वाले वर्षों में पानी की मांग भी तेजी से बढ़ेगी। ऐसे में केवल नई जल परियोजनाओं पर निर्भर रहने की बजाय पानी के पुन: उपयोग (री-यूज) और वर्षा जल संचयन को शहरी विकास का अनिवार्य हिस्सा बनाया जा रहा है। नगर निगम का मानना है कि यदि हर नई सोसायटी और बहुमंजिला इमारत में यह व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू हो जाती है, तो प्रतिदिन लाखों लीटर पेयजल की बचत होगी और भविष्य में जल संकट से निपटने में शहर को बड़ी राहत मिलेगी। नगर निगम अब भवन अनुमति प्रक्रिया में इन प्रावधानों के पालन पर विशेष निगरानी रखेगा। संकेत साफ हैं कि इंदौर अब केवल स्वच्छता में ही नहीं, बल्कि जल संरक्षण और ट्रीटेड पानी के अधिकतम उपयोग के मॉडल के रूप में भी नई पहचान बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

ट्रीटेड पानी से होगी रोजाना लाखों लीटर की बचत: विशेषज्ञों के अनुसार किसी भी बहुमंजिला आवासीय परिसर में कुल पानी की खपत का लगभग 30 से 40 प्रतिशत हिस्सा केवल टॉयलेट फ्लशिंग में खर्च होता है। यदि फ्लशिंग के लिए ट्रीटेड पानी का उपयोग किया जाए तो उतनी ही मात्रा में पीने योग्य पानी बचाया जा सकता है। यही पानी बगीचों की सिंचाई, सड़क धुलाई और अन्य उपयोगों में भी लिया जा सकेगा। इससे न केवल नर्मदा पर बढ़ता दबाव कम होगा, बल्कि भूजल दोहन भी घटेगा। आयुक्त सिंघल ने कहा कि केवल एसटीपी बनाना पर्याप्त नहीं है। जब तक उपचारित पानी के उपयोग के लिए अलग पाइपलाइन नहीं होगी, तब तक उसका पूरा लाभ नहीं मिलेगा। इसलिए प्रत्येक नई इमारत में अलग फ्लशिंग लाइन विकसित करना अब प्राथमिकता होगी।

बारिश का पानी भी नहीं जाएगा बेकार: आयुक्त ने निर्माणाधीन और नवीन निर्मित सभी भवनों व हाउसिंग सोसायटियों में पर्याप्त संख्या में रिचार्ज शाफ्ट बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिसर में छत से आने वाले वर्षा जल को फिल्टर सिस्टम के जरिए सीधे रिचार्ज शाफ्ट तक पहुंचाने की व्यवस्था अनिवार्य की जाए।

नर्मदा जलापूर्ति प्रभावित होने पर नगर निगम आयुक्त खुद पहुंचे कंट्रोल रूम

नर्मदा परियोजना की ग्रेविटी मेन पाइपलाइन में लीकेज और नदी से भारी मात्रा में कचरा आने से रविवार को शहर के कई इलाकों में जलापूर्ति प्रभावित रही। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल स्वयं मूसाखेड़ी स्थित स्काडा कंट्रोल रूम पहुंचे और जल वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। आयुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों की पानी की टंकियां खाली रह गई हैं या पर्याप्त नहीं भर पाई हैं, वहां तत्काल टैंकरों के जरिए वैकल्पिक जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े। जल प्रदाय अधिकारियों ने आयुक्त को बताया कि शनिवार को नर्मदा तृतीय चरण की 180 एमएलडी जलापूर्ति अस्थायी रूप से रोकनी पड़ी थी। बड़गोंदा गांव के पास 1200 मिमी व्यास की ग्रेविटी मेन पाइपलाइन में लीकेज सुधार कार्य और नदी में कचरा आने से पंप बंद किए गए थे। इसी वजह से रविवार को शहर की जल वितरण व्यवस्था प्रभावित हुई। सबसे अधिक असर अन्नपूर्णा क्षेत्र पर पड़ा, जहां की पानी की टंकी पूरी तरह खाली रही। इसके अलावा स्कीम नंबर 103, राज मोहल्ला, छत्रीबाग, सदर बाजार, सुभाष चौक, मल्हार आश्रम, गांधी हॉल, लोकमान्य नगर, द्रविड़ नगर, जिसी, महाराणा प्रताप नगर, जय हिंद, बाणगंगा, कुशवाह मोहल्ला, नरवल, अगरबत्ती और टिगरिया बादशाह सहित 17 क्षेत्रों की टंकियां निर्धारित स्तर से कम भर सकीं।

100 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

प्रेस क्लब के 'काबिलियत को सलाम' कार्यक्रम शामिल हुए संभाग आयुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पत्रकारों के बच्चों की प्रतिभा को सम्मान देने के लिए इंदौर प्रेस क्लब के काबिलियत को सलाम कार्यक्रम में रविवार को प्रेरणा, सम्मान और संकल्प का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कमिश्नर डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि ब्रेकिंग न्यूज़ के पीछे एक पत्रकार का अथक संघर्ष छिपा होता है।

पत्रकार हर मौसम और हर परिस्थिति में अपनी जिम्मेदारी निभाता है, इसलिए उसकी मेहनत और समर्पण को समझना जरूरी है। माथुर सभागृह में आयोजित समारोह में कक्षा 5वीं से 12वीं तक की वार्षिक परीक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले 100 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

डॉ. खाड़े ने बच्चों से कहा कि सफलता कोई अंतिम मंजिल नहीं, बल्कि एक निरंतर चलने वाली यात्रा है। हर उपलब्धि के बाद नए लक्ष्य और नई चुनौतियां सामने आती हैं, इसलिए मेहनत और सीखने का सिलसिला कभी नहीं रुकना चाहिए। कार्यक्रम में मौजूद पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और पत्रकारों को नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत नशामुक्त रहने की शपथ दिलाई।

श्रद्धा के समंदर में उमड़ी आस्था की हिलोरें, इस्कॉन की रथ यात्रा ने अन्नपूर्णा से गोपाल मंदिर तक निकली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के प्रमुख आस्था केन्द्र अन्नपूर्णा मंदिर से रविवार दोपहर में निकली इस्कॉन की जगन्नाथ रथयात्रा ने रिमझिम फुहारों के बीच राजवाड़ा स्थित गोपाल मंदिर तक करीब 5 कि.मी. लंबे यात्रा मार्ग को हरे रामा हरे कृष्णा संकीर्तन की मस्ती और भक्ति की रसधारा से सराबोर बनाए रखा। इस्कॉन मंदिर इंदौर के अध्यक्ष स्वामी महामनदास, अन्नपूर्णा आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि, स्वामी जयेन्द्रानंद गिरि, अखंडधाम के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरूप, हंसदास मठ के महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज सहित अनेक संतों-महंतों के सानिध्य में वरिष्ठ समाजसेवी टीकमचंद गर्ग, विष्णु बिंदल,

राजेश गर्ग केटी, पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे, पार्षद नंदकिशोर पहाड़िया सहित एक विशाल रथ पर विराजित भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के विग्रह को लेकर यह रथ यात्रा जैसे-जैसे आगे बढती गई, श्रद्धा का समंदर और आस्था के हिलोरे भी बढ़ती चली गई। करीब 12 हजार श्रद्धालुओं का यह काफिला गोपाल मंदिर तक पहुँचने में करीब 5 घंटे का समय लगा। इस दौरान समूचे यात्रा मार्ग पर 'जगन्नाथ चका नैन', 'तू न संभाले तो हमें कौन संभाले' और 'हरे रामा हरे कृष्णा' संकीर्तन की गूंज बनी रही। भगवान के जयघोष से समूचा मार्ग गुंजायमान होता रहा। यात्रा मार्ग पर ड्रोन से पुष्प वर्षा भी होती रही। शहर के अनेक धार्मिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, राजनेता एवं विद्वान भी इस यात्रा में भागीदार बने। रथ यात्रा संयोजक हरि अग्रवाल, किशोर गोयल, अशोक गोयल एवं सह संयोजक भावेश दवे ने प्रारम्भ में सभी अतिथियों की अगवानी की।

तीन इमली पर 1.34 करोड़ से बनेगा हाईटेक ट्रैफिक हब

मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना के तहत होगा काम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के सबसे व्यस्त और प्रवेश द्वार माने जाने वाले तीन इमली चौराहे की तस्वीर अब पूरी तरह बदलने जा रही है। करीब 1 करोड़ 34 लाख 60 हजार रुपए की लागत से चौराहे का आधुनिक स्वरूप विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना के तहत शनिवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक गोलू शुक्ला ने विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का भूमिपूजन किया।

महापौर परिषद सदस्य एवं क्षेत्रीय पार्षद मनीष शर्मा ने बताया कि परियोजना पूरी होने के बाद तीन इमली चौराहा न केवल यातायात की दृष्टि से अधिक सुरक्षित और सुगम होगा, बल्कि शहर की खूबसूरती में भी नई पहचान जोड़ेगा। यहां बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन, आकर्षक सौंदर्यीकरण और आधुनिक शहरी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि तीन इमली चौराहा प्रतिदिन हजारों शहरवासियों और बाहरी जिलों से आने वाले यात्रियों का प्रमुख मार्ग है। इसलिए इसका विकास केवल ट्रैफिक सुधार का काम नहीं, बल्कि स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित इंदौर की पहचान को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महापौर ने बताया कि नगर निगम शहर के प्रमुख चौराहों को चरणबद्ध तरीके से आधुनिक स्वरूप दे रहा है।

मंत्री विजयवर्गीय ने मुनिपुगव मुनी का आशीर्वाद प्राप्त किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने परमपूज्य मुनिपुगव मुनी श्री सुधासागरजी महामुनिराज के बिहार रत दर्शन कर सर सेठ हुकुमचंद की धर्म नगरी इंदौर में सकल इंदौर समाज की और से ऐतिहासिक वर्षायोग हेतु श्रीफल समर्पित कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर समाज के श्रैष्ठिगण सपना मनीष गोधा रानी अशोक डोसी,आकाश कोल आनंद नवीन गोधा, धर्मेन्द्र जैन सिनकेम अक्षय कासलीवाल राहुल जैन राजेश जैन दद्दू ,सहित सैकडों समाजजनों ने मंत्री विजयवर्गीय के साथ इन्दौर नगर में चातुर्मास सानंद संपन्न हो के लिऐ निवेदन किया।

पालदा औद्योगिक क्षेत्र में कोटेड कंडक्टर स्थापना शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर इंदौर शहर के पालदा औद्योगिक क्षेत्र में बिजली आपूर्ति गुणवत्ता सुधार के लिए विशेष प्रयास प्रारम्भ किए गए हैं। शहर अधीक्षण अभियंता श्री मनेंद्र गर्ग ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में 11झ1 लाइनों के दो फीडर पर परंपरागत तार के स्थान पर अत्याधुनिक कोटेड कंडक्टर (कवर्ड कंडक्टर) डालने का कार्य रविवार से विधिवत रूप से आरंभ कर दिया गया। शहर अधीक्षण अभियंता श्री गर्ग ने बताया कि पालदा औद्योगिक क्षेत्र में इन दो फीडर पर करीब चौदह किलोमीटर कोटेड कंडक्टर स्थापित किए जाएंगे। इस कार्य पर चार करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यय प्रस्तावित है। कोटेड कंडक्टर से फाल्ट की स्थिति काफी हदतक कम हो जाएगी। औद्योगिक क्षेत्र की आपूर्ति में काफी सुधार होगा।

चैटबॉट : एक माह में 4 हजार समस्याओं का हुआ समाधान

नागरिक घर बैठे उठा रहे सुविधा का लाभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिला प्रशासन द्वारा विकसित चैटबॉट के माध्यम से नागरिक घर बैठे अपने मोबाइल से विभिन्न शासकीय सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं तथा निर्धारित समय-सीमा में ऑनलाइन आवेदन की सुविधा का लाभ उठा रहे हैं।अब तक आय, जाति, निवासी प्रमाण-पत्र, नामांतरण, सीमांकन, आधार अपडेट, शिकायत की स्थिति जानने जैसी सामान्य जानकारियों के लिए लोगों को पटवारी, नायब तहसीलदार, तहसीलदार और अन्य सरकारी कार्यालयों के कई चक्कर लगाने पड़ते थे।

अब यही जानकारी और कई शासकीय सेवाएं मोबाइल पर एक क्लिक में उपलब्ध हो रही हैं। इससे न केवल नागरिकों का समय और पैसा बच रहा है, बल्कि कार्यालयों और लोकसेवा केंद्र में अनावश्यक भीड़ भी कम हो रही है। चैटबॉट नंबर पर सबसे अधिक जानकारी निवासी प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, अनुसूचित जाति-जनजाति एवं ओबीसी जाति प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड अपडेट, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शिकायत की स्थिति और प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से संबंधित प्राप्त की गई।

डिजिटल सहायक

व्हाट्सएप आधारित एआई चैटबॉट महज 30 दिनों में हजारों नागरिकों का डिजिटल सहायक बन गया है। बिचौलियों से बचाने एआई कि पहल जनता की डिजिटल ताकत बनती जा रही है।इसके चलते अब लोकसेवा केंद्र में जहां आवेदकों की संख्या कम नजर आने लगी है, वहीं पटवारी, नायब तहसीलदार या तहसीलदारों के चक्कर काटने से आम जनता बच रही है।अब नागरिक घर बैठे ही सरकारी योजनाओं, प्रमाण-पत्रों और अन्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। पिछले 30 दिनों के डैशबोर्ड के अनुसार 3,967 नागरिकों ने चैटबॉट का उपयोग किया, इस अवधि में 43,250 लोगों ने चैटिंग कर जानकारी ली। 3,491 लोगों ने सिटीजन सर्विसेज मैन्यू का उपयोग किया, जबकि 1,873 नागरिकों ने एआई असिस्टेंट की मदद ली और 1,975 प्रश्न पूछे। नागरिकों ने 4,489 बार विभिन्न सरकारी सेवाओं की जानकारी देखी तथा 94 ऑनलाइन आवेदन भी जमा किए।

खजराना अस्पताल के शीघ्र निर्माण की मांग को लेकर 35 सदस्य संघर्ष समिति का गठन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने बताया है की पीछले 6 वर्षों से खजराना में स्वीकृत अस्पताल कागजों पर चल रहा अस्पताल और 87 डॉक्टर एवं स्टाफ भी स्वीकृत दूसरी जगह कार्य कर रहे हैं जिससे खजराना क्षेत्र एवं आसपास क्षेत्रों कि आमजनता को अस्पताल का लाभ नहीं मिल पा रहा है अस्पताल के निर्माण कार्य शीघ्र चालु करने की मांग को लेकर अस्पताल शीघ्र प्रारंभ किया जाए इस हेतू मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र द्वारा 35 सदस्य समिति का गठन किया गया है समिति द्वारा अस्पताल शीघ्र प्रारंभ किया जाए इस हेतू धरना प्रदर्शन हस्ताक्षर अभिमान चलाया जाएगा साथ ही भाजपा सांसद विधायक मुख्यमंत्री मंत्री को ज्ञापन दिया जाएगा।

कैलिफ़ोर्निया बादाम के साथ अपने परिवार को बनाए मज़बूत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मानसून आ चुका है और इसके साथ ही मौसमी बीमारियों, जैसे सर्दी, बुखारऔर खांसी का दौर भी शुरू हो जाता है, जो पूरे परिवार की रोग प्रतिरोधकक्षमता की परीक्षा लेता है। कैलिफ़ोर्निया बादाम ऐसा ही एक सुपरफूड है, जो प्राकृतिक रूप से पोषकतत्वों से भरपूर होता है। इसमें 24 पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिनमें जिंक, कॉपर और आयरन शामिल हैं।

रोटरी क्लब द्वारा 'मातृत्व' कार्यक्रम संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रोटरी क्लब ऑफ इंदौर प्रोफेशनल्स द्वारा 'मातृत्व' पहल के अंतर्गत आज सयाजी होटल के पीछे स्थित रामनगर आंगनवाड़ी में एक विशेष कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को स्वस्थ गर्भावस्था, सुरक्षित प्रसव और गर्भ संस्कार के प्रति जागरूक करना था। सत्र में 'अनितासना योग एंड गर्भसंस्कार' की संस्थापिका और प्रसिद्ध विशेषज्ञ सुश्री अनीता गौर ने महिलाओं को 'प्रेगनेंसी योग' और 'गर्भ संस्कार' के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया।

नगर निगम के अधिकारियों ने मौके पर निरीक्षण किया

शहर के एमआर-5 पर ड्रेनेज लाइन में मिली कई खामियां

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में मास्टर प्लान के तहत विकसित की जा रही 100 फीट चौड़ी एमआर-5 सड़क पर बिछाई जा रही अमृत 2.0 परियोजना की ड्रेनेज लाइन के काम में गंभीर खामियां सामने आने के बाद जनकार्य विभाग के प्रभारी और नगर निगम के अधिकारियों ने मौके पर निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में लापरवाही और तकनीकी विसंगतियां मिलने पर संबंधित अधिकारियों को तुरंत सुधार के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि ड्रेनेज लाइन अपेक्षित क्षमता (डायमीटर) से कम आकार की डाली जा रही थी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में इस क्षेत्र में कई नई कॉलोनियां, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनने वाले आवास और तेजी से बढ़ने वाली आबादी को देखते हुए छोटी क्षमता की लाइन पर्याप्त नहीं होगी। इससे आगे चलकर ड्रेनेज चोक होने और जल निकासी की गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

प्रभारी राजेंद्र राठौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ड्रेनेज लाइन का डायमीटर मानकों के अनुरूप बढ़ाया जाए। साथ ही सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण हटाकर पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जाए, ताकि मास्टर प्लान के अनुसार निर्धारित चौड़ाई में सड़क का निर्माण भी बिना किसी बाधा के पूरा हो सके। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री असित खरे और सहायक यंत्री आकाश जैन को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए गुणवत्तापूर्ण और टिकाऊ निर्माण सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की तकनीकी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गुणवत्ता और मानकों से कोई समझौता नहीं

नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि एमआर-5 सड़क शहर की महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी परियोजनाओं में शामिल है। सड़क चौड़ीकरण और ड्रेनेज व्यवस्था दोनों कार्यों का उद्देश्य यातायात को सुगम बनाना और क्षेत्र में जल निकासी की स्थायी व्यवस्था तैयार करना है। इसलिए निर्माण कार्य में गुणवत्ता और मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के बाद अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि आवश्यक संशोधन कर ड्रेनेज लाइन का कार्य दोबारा तकनीकी मानकों के अनुरूप किया जाए, जिससे आने वाले वर्षों में क्षेत्रवासियों को जलभराव और सीवरेज संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 20 जुलाई 2026

26 जुलाई से शुरू होगी शनि की उल्टी चाल-वृषभ सिंह व मकर राशि वालों की चमकेगी किस्मत

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●ज्योतिष शास्त्र में सबसे प्रभावशाली माने जाने वाले ग्रह शनि देव 26 जुलाई से वक्री होने जा रहे हैं, यानी इस दिन से शनि की उल्टी चाल शुरू होगी, जो लगभग 140 दिनों तक चलेगी। न्याय, धर्म और अध्यात्म के कारक शनि की इस बदली चाल का असर देश-दुनिया समेत सभी 12 राशियों पर देखने को मिलेगा।

इन राशियों को रहना होगा सतर्क

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, शनि के वक्री होने पर मेष राशि के लोगों में तनाव और एंग्जाइटी बढ़ सकती है। ऐसे में बेवजह अधिक सोचने से बचने की सलाह दी गई है। वहीं मीन राशि के जातकों को जल्दबाजी से बचते हुए शांत मन से निर्णय लेने चाहिए।

वृषभ, सिंह और मकर राशि के लिए शुभ संकेत

वहीं वृषभ, सिंह और मकर राशि के लोगों के लिए यह समय लाभदायक माना जा रहा है। करियर, कार्यक्षेत्र और नई योजनाओं में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना जताई गई है।

देश-दुनिया पर भी पड़ सकता है असर

ज्योतिषाचार्य पंडित अमर डिब्बेवाला के मुताबिक, शनि करीब 135 से 140 दिन में अपनी चाल बदलते हैं। उनका कहना है कि इस बार शनि के वक्री होने का असर वैश्विक राजनीति, विदेश नीति और कूटनीतिक समझौतों पर दिखाई दे सकता है। देशों में सीमा सुरक्षा, आंतरिक विकास और संसाधनों को मजबूत करने पर अधिक ध्यान दिया जा सकता है। उनके अनुसार भारत के लिए यह समय शोध और नई उपलब्धियों के लिहाज से शुभ माना जा रहा है।

क्या होता है शनि का वक्री होना?

खगोल विज्ञान के अनुसार, शनि वास्तव में उल्टी दिशा में नहीं चलता। पृथ्वी सूर्य के अधिक निकट होने के कारण शनि की तुलना में तेज गति से अपनी कक्षा में घूमती है। जब पृथ्वी शनि को ओवरटेक करती है, तब पृथ्वी से देखने पर शनि कुछ समय के लिए पीछे की ओर चलता हुआ दिखाई देता है। इसी आभासी स्थिति को वक्री कहा जाता है।

प्राकृतिक असंतुलन की भी आशंका

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान अत्यधिक बारिश, भूस्खलन, भूकंप जैसी प्राकृतिक घटनाओं की संभावना भी बढ़ सकती है। हालांकि यह ज्योतिषीय आकलन है और इसे वैज्ञानिक पूर्वानुमान नहीं माना जाता।

7 साल बाद सावन की तीसरी सवारी और नागपंचमी साथ

भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में इस बार सावन में दुर्लभ संयोग बनने जा रहा है। 17 अगस्त को सावन की तीसरी सवारी और नागपंचमी एक ही दिन पड़ रहे है। इसी दिन साल में सिर्फ एक बार खुलने वाले नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट भी श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। दोनों बड़े आयोजन एक साथ होने से महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है।

भोपाल की ताल के चौपाल से

पर्दे के पीछे हनी ट्रैप की पटकथा, मंत्री महोदया की प्रयोगशाला...कीलन देव और धाकड़ ठेकेदार!

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के लोकप्रिय कॉलम बोल हरि बोल में मध्य प्रदेश की राजनीति और अफसरशाही के बड़े खुलासे शामिल हैं। इसमें हनी ट्रैप-3 की पटकथा और भ्रष्टाचार के कई गंभीर मामले उजागर किए गए हैं। हर हफ्ते राजनीति और अफसरशाही में बहुत कुछ होता है। कुछ घटनाएं सुर्खियां बनती हैं तो कुछ चर्चाओं में रहती हैं। कहीं किसी बयान की गूंज सुनाई देती है, कहीं किसी फैसले पर सवाल उठते हैं और कहीं छोटी-सी बात बड़े मायने रख जाती है। अब इसी मामले को देख लीजिए। मंत्री महोदया ने अपनी बात रखने के लिए जो तरीके अपनाए हैं, उनकी खूब चर्चा हो रही है। उधर, मंत्रालय में फिर एक धाकड़ ठेकेदार की धमक महसूस की जा रही है।

ठेकेदार तो सचमुच धाकड़ निकला

मंत्रालय में इन दिनों एक धाकड़ ठेकेदार की तूती बोल रही है। खबर है कि मंत्री और अफसरों की मेहरबानी से करीब 250 करोड़ रुपए का टेंडर नियमों को धता बताते हुए उसकी झोली में डाल दिया गया है। इस टेंडर फाइल में इतने छेद हैं कि पहली नजर में दिखाई दे जाएं, पर शिकायतें बड़े साहब से लेकर जांच एजेंसियों तक पहुंचने के बावजूद किसी ने फाइल पलटकर देखने की जहमत नहीं उठाई है। सबने जैसे मुंह में गुड़ रख लिया और आखिरकार टेंडर मंजूर भी हो गया है। अंदरखाने की मानें तो रानी कमलापति स्टेशन के पास बने एक आलीशान कॉरपोरेट टावर में बैठने वाले एक प्रभावशाली भाईसाहब का हाथ इस ठेकेदार के सिर पर है। बस यही तो बात है कि उसकी राह में फिर कौन कांटे बिछाता?

दिल्ली के बाद अब मुंबई वाली हनी!

मध्य प्रदेश में जल्द ही हनी ट्रैप-3 की पटकथा चर्चा में आ सकती है। पहला अध्याय कमलनाथ सरकार के दौर में भोपाल और सागर की हसीनाओं ने लिखा था। दूसरा अध्याय डॉक्टर साहब की सरकार में दिल्ली की रेशु के नाम रहा है। अब तीसरी किस्त की हीरोइन मुंबई से ताल्लुक रखती है। उसकी अदाओं पर मंत्रालय, पीएचक्यू और मैदान में तैनात कई आईएएस-आईपीएस अफसर फिदा हैं। फिलहाल मैडम ने नेतानगरी से दूरी बना रखी है और पूरा फोकस अफसरशाही पर है। अभी तक सब कुछ ऑल इज वेल है, इसलिए मामला दबा हुआ है। लेकिन कहते हैं कि जिस दिन उनकी कोई बड़ी डिमांड अधूरी रह गई, उसी दिन हनी ट्रैप-3 का ट्रेलर नहीं, पूरी फिल्म रिलीज हो जाएगी। हमने तो अपना काम कर दिया है, अब आप अपने घोड़े दौड़ाकर पूरी खबर पता कर लीजिए साब!

बड़े साहब के सामने छोटे की किरकिरी!

सड़क बनाने वाले विभाग के प्रमुख सचिव अपने ही मातहतों के भरोसे ऐसी चूक कर बैठे हैं कि बड़े साहब के सामने किरकिरी हो गई। दरअसल, सरकार के प्रमोशन अभियान के तहत विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में चीफ इंजीनियरों के प्रमोशन का मामला पहुंचा था। वहां फोल्डर खुले तो सभी 23 अधीक्षण यंत्रियों की सीआर आउटस्टैंडिंग निकली। जैसे ही फाइलों के भीतर झांका गया तो पता चला कि उनमें से पांच अफसरों के खिलाफ विभागीय जांच पेंडिंग है। इस पर बड़े साहब ने तुरंत सवाल दाग दिया कि जिसके खिलाफ जांच चल रही हो, उसकी सीआर आउटस्टैंडिंग कैसे हो सकती है? सवाल सुनते ही प्रमुख सचिव सकपका गए। दरअसल, उन्होंने भी अधीनस्थों द्वारा तैयार फाइलों पर भरोसा कर लिया था, लेकिन यह भरोसा इस बार भारी पड़ गया।

प्रमोशन खुले तो सबकी निकल पड़ी!

प्रदेश में अरसे बाद प्रमोशन का रास्ता खुला तो प्रमोट होने वालों से ज्यादा विभागों के मंत्री और अफसरों के चेहरों पर खुशी दिखाई दे रही है। वर्षों से रुके प्रमोशन के कारण कई कर्मचारियों ने न सीआर की चिंता की और न विभागीय जांच की। अब जैसे ही पदोन्नति की खिड़की खुली तो रिकॉर्ड दुरुस्त कराने के लिए मंत्री और अफसरों के दरबार सजने लगे हैं। कई जगह तबादलों के बाद अब प्रमोशन के नाम पर भी जमकर चांदी काटी जा रही है। एक मंत्री के पीए की तो खास चर्चा है, जिसने मोटी दक्षिणा लेकर पांच-पांच साल से लंबित विभागीय जांच दो दिन में निपटवा दी और प्रमोशन का रास्ता भी साफ करा दिया है।

चढ़ावा चढ़ाइए, काम बन जाएगा...

भारी-भरकम विभाग वाले मंत्रीजी की छवि बाहर से जितनी साफ-सुथरी दिखती है, अंदरखाने उतनी ही दिलचस्प कहानियां सुनाई देती हैं। कहा जाता है कि कितना भी उलझा मामला हो, समाधान तय है। बस इसके लिए पहले कीलन देव में चढ़ावा चढ़ाना होता है। यहां मंत्रीजी के भाई का पार्टनर अपना अलग दरबार लगाकर बैठा है। उसकी पर्ची जैसे ही मंत्री जी के बंगले तक पहुंचती है, संबंधित अधिकारी का काम भी रफ्तार पकड़ लेता है। दिलचस्प बात यह है कि मंत्रीजी को अपने भाई से ज्यादा भरोसा उसी पार्टनर पर है। वर्षों की साझेदारी में उसने हिसाब-किताब का ऐसा भरोसा बनाया है कि आज तक एक पैसे की शिकायत भी सुनने को नहीं मिली है।

जाति की चाशनी में फंस गईं मंत्री जी!

राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी इन दिनों अपने बयान से ज्यादा उसकी सफाई को लेकर चर्चा में हैं। जितनी सफाई दे रही हैं, उतने ही नए सवाल खड़े हो रहे हैं। दरअसल, विवाद उनके उस बयान से शुरू हुआ है, जिसमें अनुसूचित जाति से जुड़े अपने दावे के समर्थन में उन्होंने कथित तौर पर कहा कि आज भी ब्राह्मण और ठाकुर सहित उच्च जातियों के लोग बागरी समाज के घर का पका भोजन नहीं करते। इस पर कई लोगों ने सवाल उठाए कि पूरे समाज को इस तरह कैसे कटघरे में खड़ा किया जा सकता है। बयान पर घिरने के बाद मंत्री जी सोशल मीडिया पर सफाई देने उतरीं। दिलचस्प बात यह रही कि अपनी बात समझाने के लिए उन्होंने तीन गिलासों के साथ पूरा 'डेमो' ही पेश कर दिया। चाय, कॉफी और ग्रीन टी के सहारे उन्होंने अपनी दलील समझाने की कोशिश की, लेकिन सोशल मीडिया पर लोगों ने उनकी सफाई से ज्यादा उसी प्रयोगशाला की चर्चा शुरू कर दी।

संवादहीनता की वजह से ही समाज में बड़ा असंतोष व्याप्त हो रहा है-पंडित रामकृष्ण शर्मा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पंडित रामकृष्ण शर्मा स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से चर्चा कर रहे थे। पंडित शर्मा राजस्थान के भरतपुर से चार मर्तबा विधायक एवं एक बार सांसद रह चुके हैं। पंडित शर्मा हाल ही में आंदोलनकारी सोनम वांगचुक से मिलने नई दिल्ली के जंतर मंतर पहुंचे थे और कल पुन: संसद मार्च के लिए नई दिल्ली पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारी के साथ मोदी सरकार का रवैया सदैव असंतोषजनक रहा। किसान आंदोलनकारियों को आतंकवादी, छात्रों को शहरी उपद्रवी और आम आदमी पार्टी नेताओं को कट्टर भ्रष्टाचारी कहकर सरकार जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती है। उन्होंने कहा कि देश के अनेक भ्रष्टाचार में लिप्त नेताओं को भाजपा ने सरकार में समाहित कर लिया। क्या अब भाजपा सदाचारी होने का दावा कर सकती है। उन्होंने चुनाव सुधार की पैरवी करते हुए दल बदल के खिलाफ सख्त कानून की हिमायत की। पं. शर्मा ने कहा कि वर्तमान में विरोधी पक्ष को मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने प्रमुख विपक्षी दलों को सुझाव दिया कि यदि वे किसी भी मामले में आरोप लगा रहे हैं तो साथ में विकल्प भी प्रस्तुत करें। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा में विपक्षी दलों के लिए, एक दिन आरक्षित किया जाना चाहिए। पं. शर्मा ने कहा कि सरकार की असफल नीतियों की वजह से 48% पढ़े लिखे युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। उन्हें आशंका है कि इन हालातों से त्रस्त होकर देश के युवा कहीं हथियार न उठा लेवें। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी फिजूलखर्ची करने में व्यस्त रहते हैं उन्हें इस और ध्यान देना चाहिए।

भ्रष्टाचार संबंधी एक प्रश्न के जवाब में पंडित शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचारियों पर मुकदमे के साथ निजी संपत्ति भी जप्त करना चाहिए। बड़े भ्रष्टाचारियों के खिलाफ अंतिम विकल्प फांसी की सजा का होना चाहिए क्योंकि आज इन्हें कानून का डर नहीं बचा है।

पीड़ित मानवता की सेवा में ब्लड बैंक जैसे प्रकल्प का शुभारंभ एक पवित्र संकल्प का प्रतीक -लालवानी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पीड़ित मानवता की सेवा में ब्लड बैंक जैसे प्रकल्प का शुभारंभ एक पवित्र संकल्प का प्रतीक है। एक यूनिट रक्त से कितने लोगों को नया जीवन मिल सकता है, यह हम सबको जरुर समझना चाहिए और आज के इस युग में रक्तदान के माध्यम से अपने जीवन को सार्थक बनाने की दिशा में पहल करना चाहिए। बालाजी चैरिटेबल ब्लड सेंटर की स्थापना मानवता की सेवा की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। ये विचार हैं सांसद शंकर लालवानी के, जो उन्होंने बिचौली हप्सी रोड स्थित श्रीमंगल नगर पर बालाजी चैरिटेबल ब्लड सेंटर एवं ब्लड बैंक का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। लालवानी ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं हो सकता क्योंकि इसमें एक नया जीवन देने की क्षमता होती है। यह बैंक बहुत कम और व्यवस्थित प्रक्रिया से रक्तदान के क्षेत्र में काम करेगा, यह प्रशंसनीय बात है।

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को मंत्री परिषद की बैठक में स्वीकृति मप्र के इतिहास का एतिहासिक दिन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के नेतृत्व वाली मंत्रीपरिषद की जगदीशपुर में हुई बैठक में समान नागरिक संहिता (यूसीसी)-2026 विधेयक को मंजूरी मिलने पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त करते हुए इसे मध्यप्रदेश के इतिहास का सबसे एतिहासिक दिन बतलाया है।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश विकास और सुशासन के पथ पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। मंत्री परिषद की बैठक में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की स्वीकृति वास्तव में मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व वाली सरकार के सुशासन का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। महिलाओं के सशक्तिकरण में यह विधेयक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही सभी नागरिकों को एक समान अधिकार प्राप्त होंगे

मिश्रा ने कहा समान नागरिक संहिता भारतीय संस्कृति के मूलमंत्र 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के भाव पर आधारित एक उत्कृष्ट पहल है, जिसका उद्देश्य सभी नागरिकों को समान अधिकार, समान अवसर और समान न्याय प्रदान करना है।' उन्होंने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब अंबेडकर द्वारा संविधान में समान नागरिक संहिता का उल्लेख किया था, मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व वाली सरकार संविधान की मूल भावना के अनुरूप समरसता, महिला सशक्तिकरण और सुशासन की नींव को मजबूत करने की दिशा में एतिहासिक पहल करते हुए बाबा साहब अम्बेडकर के सपनों को साकार करने का काम कर रही हैं।

इस विधेयक से प्रदेश के नागरिकों में समानता का बोध होगा, विधेयक में सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास की मूलमंत्र को साकार करते हुए अंतिम पंक्ति तक के व्यक्ति को समान न्याय मिले, इसकी चिंता की गयी है। इस एतिहासिक निर्णय पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है।

अग्रसेन सनातन पैनल की ओर से पाटीदार धर्मशाला भवन पर राणी सती दादीजी का मंगल पाठ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के द्विवार्षिक चुनाव में अग्रसेन सनातन पैनल की मेजबानी में सोमवार 20 जुलाई को दोपहर 3.30 बजे स्नेह नगर नवलखा स्थित कच्छ पाटीदार धर्मशाला पर प्रख्यात मंगल पाठ वाचिका ममता गर्ग द्वारा राणी सती दादीजी के मंगल पाठ का दिव्य आयोजन रखा गया है। पैनल के प्रमुख परामर्शदाता महेश मित्तल एवं बालकिशन छावछरिया एवं पैनल संयोजक राजेश बंसल पंप, नंदकिशोर कंदोई, राजू अग्रवाल राधे-राधे, राजेश कुंजीलाल गोयल, संजय हाईवे ने बताया कि दोपहर 3.30 बजे तक आने वाले सभी भक्तों के लिए निश्चित उपहार की व्यवस्था रखी गई है। मंगल पाठ में मातृशक्ति लाल एवं पुरुष सनातनी कुरता-पायजामा ड्रेस कोड में शामिल होंगी। बेस्ट ड्रेसअप के लिए 11 महिलाओं का चयन होगा। इसी तरह 5 से 10 वर्ष आयु की बालिकाओं के लिए नारायणी प्रतियोगिता भी रखी गई है। समाज बंधुओं से आग्रह किया गया है कि वे निर्धारित समय पर आकर इस मंगल पाठ का पुण्य लाभ उठाएं।

प्रशासन के लिए चुनौती बना देपालपुर का ट्रैफिक

कहीं अधिकारी आए और गए लेकिन नहीं सुधार पाए देपालपुर का ट्रैफिक

निलेश चौहान (94250-77209)

देपालपुर ● **दैनिक इंदौर संकेत**

नगर में ट्रैफिक जाम को लेकर आए दिन आम जनता को समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इंदौर नाके से लगाकर तहसील रोड तक सड़क किनारे बड़े-बड़े वाहन सामान खरीदी बिक्री के लिए खड़े रहते हैं। इस कारण रोड पर प्रतिदिन ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। नगर के ट्रैफिक जाम को लेकर कहीं नेता और अधिकारियों ने समाधान करने की कोशिश की लेकिन आज तक इसका उचित समाधान नहीं निकला देपालपुर एसडीएम रहे रवि वर्मा ने इस विषय पर देपालपुर जनपद पंचायत में मीटिंग आयोजित की थी,जहां नगर परिषद के पार्षद अध्यक्ष से लेकर थाना प्रभारी एसडीओपी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। लेकिन जनपद पंचायत में हुई, इस मीटिंग में केवल बड़ी-बड़ी बातें हुई बड़े-बड़े वादे हुए लेकिन आज तक ट्रैफिक जाम समस्या का समाधान नहीं हुआ इतना ही नहीं सड़क किनारे खड़े ठेला गाड़ी फल फूल की दुकानें सब्जी के ठेले वाले को नगर में एक जगह पर दुकान देने की बात कही गई थी। लेकिन ना जिम्मेदार अधिकारियों ने इस और ध्यान दिया ना जनप्रतिनिधियों ने ध्यान दिया। कही बार देखने में आया है स्कूल बसें एम्बुलेंस घंटो जाम में फंसी रहती है। ट्रैफिक जाम को लेकर नगर में कहीं गंभीर सवाल खड़े हो गए है। नगर परिषद से लेकर विधायक सांसद तक भाजपा के है। लेकिन एक छोटा सा समाधान जिम्मेदार नहीं निकाल पाए आम जनता ट्रैफिक जाम से त्रस्त और जिम्मेदार मस्त है। एसडीएम रवि वर्मा ने ट्रैफिक जाम की समस्या के लिए, कई बार प्रयास किये लेकिन उनका ट्रांसफर होने के बाद क्षेत्र में कहीं अधिकारी आए और चले गए लेकिन किसी ने भी ट्रैफिक जाम की ओर ध्यान नहीं दिया डेढ़ माह बीत जाने के बाद देपालपुर को नए एसडीएम मिले हैं। आम जनता को उमीद है नए एसडीम इस विषय को गंभीरता से लेकर इसका समाधान करेंगे लेकिन अब यह देखना अभि बाकी है। क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की समस्या से छुटकारा मिलेगा या नहीं क्या कोई जनप्रतिनिधि इस विषय पर आगे आएगा या फिर अपनी राजनीतिक रोटियां सेक कर निकल जाएगा।

सम्पादकीय

गरीब मरीजों की अनदेखी कब तक?

सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों और डाक्टरों को कड़ी फटकार लगाते हुए तल्ख टिप्पणी की कि अगर आप अपनी ड्यूटी नहीं निभा सकते, तो आपको डाक्टर कहलाने का कोई हक नहीं है। चिकित्सा पेशे की सबसे बुनियादी और प्राथमिक शर्त यही होनी चाहिए कि एक चिकित्सक किसी घायल व्यक्ति का बिना किसी औपचारिकता की मांग किए तुरंत इलाज करे और सबसे पहले उसका जीवन बचाने की कोशिश करे। विडंबना यह है कि कई बार अस्पताल और वहां मौजूद डाक्टर घायल मरीज को तुरंत उपचार मुहैया कराने के बजाय टालमटोल करते हैं या फिर मना कर देते हैं। नतीजतन, सिर्फ इलाज न मिलने की वजह से बच सकने वाले व्यक्ति की भी मौत हो जाती है। सवाल है कि ऐसी स्थिति में पीड़ित की मौत के लिए किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। गौरतलब है कि बीते मार्च में बलात्कार की शिकार हुई महज चार साल की एक बच्ची को बुरी तरह घायल अवस्था में गाजियाबाद के दो निजी अस्पतालों में ले जाया गया, लेकिन वहां उसे भर्ती करने से मना किया गया। आखिरकार इसी वजह से उसकी जान चली गई। सवाल है कि जघन्य अपराध का शिकार हुई पीड़ित बच्ची को तुरंत उपचार मुहैया कराना डाक्टरों ने जरूरी क्यों नहीं समझा? ऐसे में बच्ची की मौत के लिए आखिर उन अस्पतालों और वहां मौजूद डाक्टरों को भी जिम्मेदार क्यों नहीं माना जाए? इस मामले में बीते शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों और डाक्टरों को कड़ी फटकार लगाते हुए तल्ख टिप्पणी की कि अगर आप अपनी ड्यूटी नहीं निभा सकते, तो आपको डाक्टर कहलाने का कोई हक नहीं है। अदालत ने यह भी पूछा कि क्या आपने इसलिए नजरअंदाज किया कि पीड़ित बच्ची गरीब थी और आपकी फीस नहीं दे सकती थी? शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी इस घटना के बहाने बड़े फलक के सवाल उठाती है। यह शिकायत आम है कि निजी अस्पतालों में किसी मरीज के इलाज के बजाय पैसे को ज्यादा अहमियत दी जाती है और गरीब तबकों के लोगों को वहां उपेक्षा या खराब व्यवहार का सामना करना पड़ता है। मगर बलात्कार जैसे गंभीर अपराध का शिकार और घायल होने की स्थिति के बावजूद अगर बच्ची का इलाज करने से मना किया गया, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन अस्पतालों के प्रबंधक और डाक्टर कितने संवेदनहीन रहे होंगे। चिकित्सा पेशे से जुड़े सभी लोगों और संस्थानों को सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में अपनी ड्यूटी और उपयोगिता के बारे में ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ विचार करने की जरूरत है। भारत समेत दुनिया भर में अनशन के जरिए व्यवस्था में बदलाव लाने की कोशिशें इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं।

शिष्टाचार, सियासत और संदेह के घेरे में वैचारिक निष्ठा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चंडीगढ़ की रैली में पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद मनीष तिवारी से बड़ी गर्मजोशी के साथ मिले। पंजाब में चरणजीत सिंह चन्नी और अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के बीच मची खींचतान के बीच मनीष तिवारी से हाथ मिलाया और बातचीत की।चंडीगढ़ से सांसद तिवारी आधिकारिक प्रोटोकॉल के तहत इस कार्यक्रम में शामिल हुए। हालांकि, प्रधानमंत्री के साथ उनकी बातचीत ने सबका ध्यान खींचा है और राजनीतिक बहस को हवा दी है, साथ ही इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हैं। यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि मनीष तिवारी ने हाल ही में कांग्रेस की ओर से 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए संगठनात्मक नियुक्तियों और चुनाव समितियों की घोषणा करने पर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। इसमें उन्हें कोई भी जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई थी।सोशल मीडिया पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए तिवारी ने संकेत दिया कि पार्टी नेतृत्व में व्याप्त असुरक्षा इस निर्णय के पीछे का कारण हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी से उनकी मुलाकात के बाद से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि भारतीय जनता पार्टी वरिष्ठ कांग्रेस नेता से संपर्क साधने का प्रयास कर रही है। जब प्रधानमंत्री ने तिवारी से बात की तब बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी वहां मौजूद थे। आज हालत यह है कि आज भारतीय राजनीति में जब भी कोई विपक्षी दल का नेता सत्ता पक्ष के शीर्ष नेतृत्व से सार्वजनिक मंच पर मुस्कुराकर हाथ मिलाता है, तो देश के राजनीतिक गलियारों में अफवाहों का बाजार गर्म होना एक सामान्य परिपाटी बन चुका है। इस मुलाकात और मंच साझा करने की तस्वीरों के सामने आते ही सोशल मीडिया और मुख्यधारा के मीडिया में यह अटकलें तेजी से दौड़ने लगीं कि क्या मनीष तिवारी कांग्रेस का दामन छोड़ भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने जा रहे हैं?

यह पहली बार नहीं है जब मनीष तिवारी के राजनीतिक भविष्य और उनकी पार्टी बदलने को लेकर कयास लगाए गए हों। बीते कुछ वर्षों में, विशेषकर 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भी उनके भाजपा में जाने और पंजाब की लुधियाना सीट से चुनाव लड़ने की अफवाहें उड़ी थीं, जिनका उनके कार्यालय ने खंडन किया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन अटकलों को बार-बार हवा मिलने के पीछे कुछ ठोस कारण रहे हैं। मनीष तिवारी कांग्रेस के उन गिने-चुने नेताओं में से हैं जो वैचारिक रूप से प्रखर हैं और कई राष्ट्रीय सुरक्षा तथा विदेश नीति के मुद्दों पर अपनी ही पार्टी की आधिकारिक लाइन से अलग, राष्ट्र-प्रथम की सोच के साथ राय रखने के लिए जाने जाते हैं। चाहे वह पूर्व में सैन्य सुधारों का मुद्दा रहा हो या अग्निपथ योजना पर उनकी व्यक्तिगत टिप्पणियां, उन्होंने हमेशा एक स्वतंत्र विचारक की छवि पेश की है। इसके अतिरिक्त, हाल के दिनों में पंजाब कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक बदलावों और चंडीगढ़ की राजनीति में स्थानीय स्तर पर पार्टी के भीतर उनकी उपेक्षा या असंतोष की खबरें भी छन-छनकर बाहर आती रही हैं। जब किसी पार्टी के भीतर एक कद्दावर और बौद्धिक नेता खुद को हाशिए पर महसूस करता है, तो विरोधी दल के साथ उसकी किसी भी सामान्य मुलाकात को 'डील' या 'पार्टी बदलने की भूमिका' के रूप में देखा जाना स्वाभाविक हो जाता है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी गर्मजोशी से भरी बातचीत और मंच पर दिखा सामंजस्य इसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के कारण संदेह के चश्मे से देखा गया।

मनीष तिवारी का यह स्पष्टीकरण कि 'विकास की आवश्यकताओं को दलगत राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए ', आधुनिक भारतीय राजनीति के एक बहुत बड़े कड़वे सच की ओर इशारा करता है। आज के दौर में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच संबंध इतने कटु हो चुके हैं कि स्वस्थ संवाद या सार्वजनिक शिष्टाचार की गुंजाइश लगभग समाप्त हो गई है। यदि विपक्ष का कोई नेता प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी केंद्रीय मंत्री के साथ विकासात्मक मुद्दों पर सहयोग करता है या उनकी सराहना करता है, तो उसकी अपनी ही पार्टी के भीतर उसे 'संदिग्ध' मान लिया जाता है।

मनीष तिवारी ने स्वयं को 'ओल्ड स्कूल' यानी पुराने ख्यालों का बताकर देश को उस दौर की याद दिलाई है जब जवाहरलाल नेहरू विपक्ष के अटल बिहारी वाजपेयी को भविष्य का प्रधानमंत्री बताते थे, या जब नरसिम्हा राव ने संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए विपक्षी नेता वाजपेयी को भेजा था। आज की राजनीति में यह सहिष्णुता और शिष्टाचार गायब हो चुका है। अब राजनीति केवल 'शत्रुता' और 'पूर्ण समर्पण' के दो छोरों के बीच सिमट कर रह गई है। तिवारी का यह कदम एक सांसद के रूप में अपने क्षेत्र के विकास के लिए सरकार के प्रमुख के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने का एक संवैधानिक दायित्व भी था, जिसे राजनीति के अति-ध्रुवीकरण ने एक दलबदल के तमाशे में तब्दील करने की कोशिश की।

इस पूरे घटनाक्रम के बहाने हमें भारतीय राजनीति में वैचारिक निष्ठा के गिरते स्तर पर भी बात करनी होगी। पिछले एक दशक में जिस तरह से विभिन्न राज्यों में रातों-रात सरकारें बदली हैं और नेताओं ने अपनी दशकों पुरानी वैचारिक प्रतिबद्धताओं को दरकिनार कर विरोधी दलों की सदस्यता ली है, उसने जनता के मन में नेताओं के प्रति एक गहरा अविश्वास पैदा कर दिया है। आज जनता के लिए यह विश्वास करना कठिन हो गया है कि कोई नेता केवल शिष्टाचार के नाते किसी विरोधी दल के नेता से मिल रहा है। मतदाता मानकर चलता है कि हर मुलाकात के पीछे कोई न कोई गुप्त राजनीतिक सौदा अवश्य छिपा है।

मनीष तिवारी ने इस अविश्वास के माहौल को तोड़ने का प्रयास किया है। उनका यह कहना कि हर बात को कांग्रेस बनाम भाजपा के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए, एक परिपक्व लोकतंत्र की निशानी है। एक मजबूत लोकतंत्र वह नहीं है जहां सत्ता और विपक्ष एक-दूसरे का चेहरा भी न देखना चाहें, बल्कि वह है जहां संसद के भीतर तीखी बहस हो, लेकिन संसद के बाहर और देश के विकास के मुद्दों पर दोनों पक्ष एक साथ खड़े दिखाई दें। भले ही मनीष तिवारी ने भाजपा में शामिल होने की खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया हो, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के लिए यह घटना एक चेतावनी की तरह है। पार्टी को यह सोचना होगा कि उसके वरिष्ठ, अनुभवी और बौद्धिक नेताओं को लेकर बार-बार इस तरह की अफवाहें क्यों उड़ती हैं? क्या पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र, संवाद और वरिष्ठ नेताओं को उचित सम्मान देने की प्रक्रिया में कोई कमी रह गई है? जब पार्टी अपने प्रखर वक्ताओं और जमीन से जुड़े नेताओं की चिंताओं को दूर नहीं कर पाती, तब ऐसी अफवाहों को फैलने के लिए उपजाऊ जमीन मिल जाती है। कांग्रेस को समझना होगा कि केवल आक्रामक राजनीति से ही संगठन मजबूत नहीं होता, बल्कि अपने वैचारिक योद्धाओं को सहेज कर रखने और उन्हें यह अहसास कराने से होता है कि संगठन में उनकी उपयोगिता और सम्मान अक्षुण्ण है। मनीष तिवारी जैसे नेता पार्टी की बौद्धिक पूंजी हैं, और उनकी नाराजगी या उनकी उपेक्षा की खबरें पार्टी की साख को कमजोर करती हैं।

चंडीगढ़ के मंच से उठी यह सियासी हलचल फिलहाल तो मनीष तिवारी के खंडन के बाद शांत हो गई है, लेकिन इसने देश के राजनीतिक पंडितों को सोचने का एक बड़ा अवसर दिया है। मनीष तिवारी का यह कदम और उनका स्पष्टीकरण भारतीय राजनीति में खोते जा रहे 'मध्यम मार्ग' को पुनर्जीवित करने की एक कोशिश के रूप में देखा जाना चाहिए। राजनीति में मतभेद होने चाहिए, मनभेद नहीं। विकास के एजेंडे पर जब तक देश का राजनीतिक नेतृत्व एकजुट नहीं होगा, तब तक लोकतांत्रिक संस्थाएं और संघीय ढांचा मजबूत नहीं हो सकते। यह घटना यह भी रेखांकित करती है कि मीडिया और जनता को भी किसी भी सामान्य मुलाकात को दलबदल से जोड़ने की जल्दबाजी से बचना चाहिए। राजनीतिक शिष्टाचार को जीवित रखना किसी भी जीवंत लोकतंत्र के लिए उतना ही जरूरी है, जितना कि एक मजबूत विपक्ष का होना। मनीष तिवारी कांग्रेस में रहकर अपनी वैचारिक लड़ाई लड़ते रहेंगे या भविष्य में कोई नया मोड़ आएगा, यह तो समय ही बताएगा; परंतु वर्तमान में उनका यह स्टैंड स्वागत योग्य है कि देश का विकास और संवैधानिक प्रोटोकॉल, दलगत संकीर्णताओं से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

मनीष तिवारी ने देश की मौजूदा राजनीति को 'टूटी हुई और जहरीली' भी बताते हुए दिल्ली को इसका सबसे बड़ा केंद्र कहा है। उनका यह बयान आज के राजनीतिक परिदृश्य की कड़वी सच्चाई है, जहां राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को वैचारिक विरोधी न मानकर 'जानी दुश्मन' की तरह देखा जाने लगा है। ऐसी स्थिति में यदि दो अलग-अलग विपरीत विचारधाराओं के नेता सार्वजनिक मंच पर एक-दूसरे का सम्मान करते हैं या गर्मजोशी से हाथ मिलाते हैं, तो उसे सहज रूप से स्वीकार करने के बजाय संदेह की दृष्टि से देखा जाता है।मनीष तिवारी की प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात ने यह साफ कर दिया है कि लोकतांत्रिक मर्यादा और दलबदल की राजनीति के बीच एक महीन रेखा होती है। तिवारी ने स्पष्ट किया है कि वह कांग्रेस के प्रति वफादार हैं और उन्होंने अपना पूरा जीवन इसी पार्टी को दिया है। बहरहाल, यह घटना कांग्रेस नेतृत्व के लिए भी एक सबक है कि वे अपने वरिष्ठ और जमीन से जुड़े नेताओं की चिंताओं और उनके आत्मसम्मान का ध्यान रखें, ताकि शिष्टाचार की किसी भी तस्वीर को विरोधी दल अपनी राजनीतिक बढ़त के रूप में न भुना सकें। विकास के मंचों को राजनीति के अखाड़े से दूर रखना ही भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का पैमाना होना चाहिए।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत नवाचार, वृद्धजनों की सहभागिता से साकार हुई सुंदर पहल

श्रद्धालय वृद्धाश्रम में विकसित हुआ 150 पौधों का गुलाब उद्यान

अजय नलवाया (7879800048)

धार • दैनिक इंदौर संकेत

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के भोज शोध संस्थान द्वारा संचालित श्रद्धालय वृद्धाश्रम में नवाचार के रूप में औषधीय एवं फल उद्यान के साथ अब 150 देशी गुलाब के पौधों का आकर्षक गुलाब उद्यान विकसित किया गया है। यह उद्यान 'एक पेड़ मां के नाम' प्रकल्प के अंतर्गत तैयार किया गया है, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ वृद्धजनों की सक्रिय सहभागिता का प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है। संस्थान के निदेशक डॉ. दीपेन्द्र शर्मा ने बताया कि अल्प समय में विकसित इस गुलाब उद्यान में 150 देशी किस्म के गुलाब के पौधे लगाए गए हैं। उद्यान के विकास में इंदौर के कमल मोदी एवं भूपेश शर्मा, महू के अजय कैथवास तथा धन्नड के तन्मय ओमप्रकाश शर्मा का विशेष सहयोग एवं योगदान रहा। गुलाब उद्यान के निर्माण एवं संरक्षण में श्रद्धालय के वृद्धजनों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। भागवंता बाई, कृष्णा बाई, कला बाई, तोताराम लववंशी, शिव आर्य, रामेश्वर पटेल, महेश पाटीदार, माखन राठौर, पूरनचंद सक्सेना, रानी पंवार, विद्या गुंजाल, रोशनी राठौर, भूमि एवं दक्षिता का योगदान सराहनीय रहा। वर्तमान में उद्यान की विशेष देखरेख तोताराम लववंशी एवं कला बाई द्वारा की जा रही है।श्रद्धालय परिसर में विकसित यह गुलाब उद्यान न केवल परिसर की सुंदरता बढ़ा रहा है, बल्कि वृद्धजनों के लिए प्रकृति के सान्निध्य में सकारात्मक एवं आनंददायक वातावरण भी उपलब्ध करा रहा है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण, जनसहभागिता एवं सेवा भाव का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सब्जी की खेती से बदली किसानों की तस्वीर, खीरा-टमाटर की खेती से लाखों की कमाई

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • जिले के जावर गांव में उद्यानिकी खेती किसानों के लिए आय का नया मॉडल बनकर उभरी है। दो एकड़ से शुरू हुई एक किसान की पहल आज 160 किसानों के किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) में बदल चुकी है। यहां आधुनिक तकनीकों से उगाई जा रही सब्जियां देश के बड़े शहरों के साथ दुबई तक निर्यात हो रही हैं। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने गांव पहुंचकर प्रगतिशील किसान अश्विन सावले के खेत का निरीक्षण किया और इस मॉडल को जिले के किसानों के लिए प्रेरणादायक बताया। कलेक्टर ने जावर गांव में किसान अश्विन सावले के खेत पर खीरा और टमाटर की आधुनिक खेती का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर कलेक्टर (आईएएस) सृष्टि देशमुख गौड़ा, कृषि विभाग और उद्यानिकी विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ड्रिप सिंचाई, मल्चिंग, स्प्रिंकलर और अन्य आधुनिक तकनीकों से की जा रही खेती को करीब से देखा। निरीक्षण के बाद आयोजित किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलेक्टर ने किसानों से पारंपरिक खेती के साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि ड्रिप सिंचाई, मल्चिंग और वैज्ञानिक खेती से उत्पादन बढ़ाने के साथ लागत भी कम की जा सकती है। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ खेती के तरीके भी बदलने होंगे, तभी किसानों की आय में वास्तविक वृद्धि संभव है।

अजगर ने बकरी के बच्चे को बनाया शिकार, जकड़कर कुंडली बनाई फिर निगला

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • धनगांव थाना क्षेत्र के चिचगोहन गांव के पास लाल तलाई क्षेत्र में एक विशाल अजगर द्वारा बकरी के बच्चे का शिकार करने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो किसी ग्रामीण ने मोबाइल से रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है। अजगर बकरी के बच्चे को धीरे-धीरे निगलता हुआ दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का दावा है कि लाल तलाई क्षेत्र में पिछले कई दिनों से इस विशाल अजगर की मौजूदगी देखी जा रही थी। ग्रामीणों के अनुसार, अजगर पहले भी जंगल के छोटे वन्यजीवों के साथ पालतू पशुओं का शिकार कर चुका है। शनिवार को उसने एक बकरी के बच्चे पर हमला किया। पहले उसे अपनी कुंडली में जकड़ा और फिर धीरे-धीरे निगलना शुरू कर दिया।

किसान दिवस पर बैंक ऑफ इंडिया ने वितरित किए लगभग 35 करोड़ रुपए के कृषि ऋण

कृषि वित्त, आधुनिक खेती और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई

धार • दैनिक इंदौर संकेत

बैंक ऑफ इंडिया, धार आँचल द्वारा किसान हित, ग्रामीण विकास एवं कृषि समृद्धि को समर्पित किसान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बैंक ऑफ इंडिया के प्रधान कार्यालय से महाप्रबंधक श्री सतीश कुमार तथा मध्यप्रदेश शासन की सहायक संचालक (कृषि) श्रीमती संगीत तोमर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस अवसर पर आँचलिक प्रबंधक श्री अखिलेश कुमार, उप-आँचलिक प्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन, श्री देवानंद गुप्ता, जिला अग्रणी प्रबंधक श्री बलराम बैरागी सहित बैंक के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ आँचलिक प्रबंधक श्री अखिलेश कुमार द्वारा महाप्रबंधक का स्वागत कर किया गया। उन्होंने धार आँचल द्वारा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि बैंक किसानों को पॉलीहाउस, उन्नत सोयाबीन खेती, आधुनिक कृषि तकनीकों तथा विभिन्न कृषि ऋण योजनाओं के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बैंक की पूरी टीम किसान कल्याण और ग्रामीण विकास के लिए इसी समर्पण के साथ कार्य करती रहेगी।महाप्रबंधक श्री सतीश कुमार ने अपने संबोधन में किसानों से संवाद करते हुए कृषि क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियों एवं संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने बैंक ऑफ इंडिया की विभिन्न कृषि एवं ग्रामीण विकास योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि बैंक किसानों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने किसानों के सुझाव भी सुने और उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप बैंकिंग सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने का आश्वासन दिया।कार्यक्रम के दौरान किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि वाहन ऋण, पॉलीहाउस ऋण सहित विभिन्न कृषि एवं कृषि-संबद्ध योजनाओं के अंतर्गत लगभग 35 करोड़ रुपये के ऋण का वितरण किया गया। ऋण प्राप्त करने वाले किसानों ने बैंक की योजनाओं से मिल रहे लाभों के अनुभव साझा किए। महाप्रबंधक ने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने तथा बैंकिंग सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के उपरांत महाप्रबंधक श्री सतीश कुमार ने बैंक के बीसी (बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट) प्वाइंट का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम व्यक्ति तक बैंकिंग सेवाएँ पहुँचाने के प्रयासों की सराहना करते हुए वित्तीय समावेशन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। अंत में उप-आँचलिक प्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बैंक ऑफ इंडिया भविष्य में भी किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण, आधुनिक कृषि को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता रहेगा।

मनावर के गोपालपुरा डैम का जलस्तर तेजी से घटा; पेयजल और सिंचाई पर बढ़ी चिंता

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर • मनावर क्षेत्र में मान नदी पर बने गोपालपुरा डैम का जलस्तर लगातार घट रहा है। पिछले आठ दिनों से बारिश नहीं होने के कारण डैम में पानी की आवक बंद है। यह डैम नगर की पेयजल व्यवस्था और आसपास के किसानों की सिंचाई का प्रमुख स्रोत है। डैम के जल प्रभारी मुकेश पाटीदार ने बताया कि पिछले महीने जीराबाद मान परियोजना से एक बार पानी छोड़ा गया था, जिससे गोपालपुरा डैम भर गया था। इसके बाद बारिश नहीं होने से जलस्तर लगातार कम हो रहा है। फिलहाल गेट बंद कर पानी का भंडारण किया जा रहा है। डैम के पास खेती करने वाले किसान कैलाश ने बताया कि क्षेत्र में कपास, सोयाबीन और मक्का की खरीफ फसल की सिंचाई फिलहाल डैम के पानी से की जा रही है। ऐसे में जलस्तर में कमी का असर कृषि पर भी पड़ सकता है। मनावर नगर में हर महीने करीब 30 एमसीएफटी पानी की खपत होती है। इसी डैम से नगर के 15 वार्डों और कॉलोनियों में पूरे साल एक दिन छोड़कर पेयजल आपूर्ति की जाती है। नगर पालिका जल समिति अध्यक्ष मांगीलाल सावले ने बताया कि भविष्य में गोपालपुरा डैम का विस्तार और गहरीकरण करने की योजना है, ताकि जल भंडारण क्षमता बढ़ाई जा सके।

बूथ अध्यक्ष को मोबाइल, सैलरी से रिचार्ज कराऊंगा: विजय शाह

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह खंडवा स्थित पार्टी दफ्तर पर पहुंचे। उन्होंने पार्टी के नेता और कार्यकताओं से सीधा संवाद किया। पहले अपनी बात रखी, फिर कार्यकर्ताओं को सुना। उन्होंने बताया कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र के 300 पोलिंग बूथ के अध्यक्षों से सीधे जुड़ेंगे। ताकि जनता की समस्या तत्काल उन तक आसानी से पहुंचे और तय समय पर निराकरण हो जाए। मंत्री शाह ने बताया कि पोलिंग बूथों के अध्यक्षों को जोड़ने के लिए प्रत्येक अध्यक्ष को एंड्रॉयड फोन दे रहे हैं। इसके अलावा सालाना रिचार्ज का खर्चा भी वे खुद उठाएंगे। रिचार्ज पर जितना खर्चा होगा, उससे ज्यादा उन्हें वेतन मिलता है। उसी वेतन से भरपाई करेंगे। शाह ने कहा कि, इस जुड़ाव का उद्देश्य जनता की सेवा हैं। बूथ अध्यक्ष रोजाना ग्राम पंचायत, अस्पताल, स्कूल और आंगनबाड़ी का निरीक्षण करेगा, देखेगा कि टीचर, डॉक्टर, नर्स दफ्तर आई हैं या नहीं। पंचायत का सचिव कार्यालय में बैठता है या नहीं।कोई बीमार है, एंबुलेंस नहीं मिल रही हैं, राशन कार्ड, आवास योजना या जो भी समस्या हैं, यदि जनता परेशानी में हैं तो बूथ अध्यक्ष समस्या को सुनेगा और विधानसभा स्तर पर एक कोऑर्डिनेटर को भेजेगा, वह कोऑर्डिनेटर सीधे अफसरों से बात करके उनकी समस्या सुलझाएगा। जिस स्तर की समस्या होगी, उसका समाधान उस स्तर से कराएंगे। हरसूद विधानसभा में जनता से जुड़ाव का यह प्रयास सफल रहा तो इसे जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर लागू कराएंगे।

मंत्री विजय शाह ने बताया कि, प्रत्येक गांव में जो भी शासकीय सेवक हैं, उसकी जिम्मेदारी तय की गई हैं। यदि पुलिस थाने का हेड कांस्टेबल हैं और उसके पास चार गांवों की जिम्मेदारी है तो वह महीने में एक-एक हफ्ते अलग-अलग गांव में लोगों के बीच जाकर उनकी बात सुनेगा। नर्स, पटवारी के पास दो गांव है, तो रोस्टर बनाकर हर गांव में सेवाएं देंगे। इसे लेकर प्रशासनिक स्तर पर आदेश भी जारी कराए हैं। हरसूद एसडीएम ने सभी विभागों को पत्र जारी कर दिया हैं।

पीवी सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय, जापान की यामागुची को हराया

टोक्यो (एजेंसी) ● भारत की बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वह यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं। 31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला। सिंधु चार साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं। सेमीफाइनल में चीन की चेन यू फेई हैम्स्ट्रिंग चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गई। उस समय सिंधु 21-19, 15-10 से आगे थीं। इससे पहले सिंधु ने जापान की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण नहीं उतरीं, जिससे सिंधु को वॉकओवर मिला। दूसरे दौर में सिंधु ने चीन की हान यू को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था।

इंग्लैंड दौरे पर निकी ने सीखा बहुत कुछ

नई दिल्ली (एजेंसी) ● अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2025 का खिताब दिलाने वाली कप्तान निकी प्रसाद ने इंडिया ए महिला टीम के साथ अपने इंग्लैंड दौरे को सीखने का एक बेहतरीन अनुभव बताया है। हाल ही में इंग्लैंड ए के खिलाफ 2-1 से वनडे सीरीज जीतने वाली टीम का हिस्सा रहीं प्रसाद ने एक खास बातचीत में कहा कि यह उनका पहला इंडिया ए और पहला इंग्लैंड दौरा था। टीम का माहौल शानदार था और उन्हें खुद को अभिव्यक्त करने का भरपूर अवसर मिला, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। एक जीतने वाली टीम का हिस्सा होना उनके लिए बेहद सकारात्मक अनुभव रहा। प्रसाद ने इंग्लैंड की परिस्थितियों को भारत से काफी अलग बताया, जहां के विकेट और विपक्षी टीमें, विशेषकर लंबे तेज गेंदबाजों, चुनौतीपूर्ण थीं। उन्होंने महसूस किया कि अपने बैकफुट खेल में, खासकर बाउंसर गेंदों को पुल और कट करने में, सुधार की आवश्यकता है। शॉर्ट बॉल के साथ संतुलन बनाना उन्होंने जल्द सीखा।

जो रूट बोल खेलते हुए ही सीखना होगा युवा खिलाड़ियों को

कार्डिफ (एजेंसी) ● इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट का मानना है कि देश के अगली पीढ़ी के युवा क्रिकेटरों को 50 ओवरों के क्रिकेट का अधिक अनुभव नहीं मिलने के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए ही सीखना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि अनुभव की कमी के कारण दबाव के हालात के अनुकूल ढलना बेहद अहम हो जाता है। रूट ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण से पहले घरेलू 50 ओवरों की नियमित प्रतिस्पर्धाओं के जरिये उस तरह का अनुभव नहीं मिल पा रहा है जो पहले खिलाड़ियों को मिलता था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि टीम और युवा खिलाड़ियों के लिये यह सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। उन्होंने आगे कहा, अभी ही नहीं बल्कि आने वाले समय में भी, जो भी खिलाड़ी टीम में आयेगा उसे 50 ओवरों के क्रिकेट में उतना अनुभव या समझ नहीं होगी क्योंकि अब यह प्रारूप उतना खेला नहीं जाता है। यह कमी इंग्लैंड के हालिया प्रदर्शन में भी दिखती है, क्योंकि टीम को भारत के खिलाफ पिछले 20 वनडे में से 14 में पराजय का सामना करना पड़ा है। रूट ने कहा कि भारत जैसी शीर्ष वनडे टीम के खिलाफ जीत अधिक संतोषजनक है। उन्होंने कहा, अगर हम हार जाते तो बहुत बुरा लगता। हम जीतने के लिए ही खेलते हैं। अब हमारे पास दुनिया की नंबर एक टीम को श्रृंखला में हराने का मौका है। रूट का यह बयान इंग्लैंड क्रिकेट की मौजूदा स्थिति और युवा प्रतिभाओं को विकसित करने की चुनौतियों को दर्शाता है, जहाँ उन्हें सीमित घरेलू अनुभव के साथ सीधे अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन करना पड़ रहा है।

फिल्म 'वाराणसी' से फर्स्ट लुक आउट

मुंबई (एजेंसी) ● एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' से प्रियंका चोपड़ा का फर्स्ट लुक आउट हो गया है। निर्माता ने एक्ट्रेस के बर्थडे पर फैंस को तोहफा दिया है। उन्होंने फिल्म से प्रियंका की मंदाकिनी के रोल में झलक जारी की है, जिसे देख फैंस खुशी से नाच उठे हैं। प्रियंका इस लुक में एकदम निडर और रहस्यमयी लग रही हैं। उनके किरदार में कई लेयर्स होंगी, जो वाराणसी की कहानी में ट्विस्ट लेकर आएंगी। 'वाराणसी' की रिलीज का काफी समय से इंतजार किया जा रहा है। फिल्म साल 2027 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी, पर तब तक एक-एक अपडेट पाने के लिए फैंस की बेचैनी बढ़ती ही जा रही है।

'लॉक अप सीजन-2' में शिल्पा ने शिवांगी की मिमिक्री कर किया कमेंट

मुंबई (एजेंसी) ● रियलिटी शोज में अक्सर कंटेस्टेंट्स के बीच तकरार, मजाक और तीखी नोकझोंक हो जाती है। 'लॉक अप सीजन 2' में कंटेस्टेंट के बीच बहस देखने को मिल रही है। हाल ही में हालिया एपिसोड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री शिल्पा शिंदे और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर श्रेया कालरा, टीवी अभिनेत्री शिवांगी जोशी की मिमिक्री करती नजर आ रही हैं। इस दौरान शिल्पा ने शिवांगी की वर्जिनिटी को लेकर भी टिप्पणी की, जिसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हालिया एपिसोड में शिल्पा शिंदे और श्रेया कालरा एक साथ बैठकर शिवांगी जोशी की नकल उतारती दिखाई दे रही हैं। वीडियो में शिल्पा, शिवांगी के बोलने के अंदाज की मिमिक्री करते हुए कहती है, 'अरे यार, मेरे पास तो कोई सीक्रेट ही नहीं है। कितना एक्ट करूं? मैं बहुत इनोसेंट हूं। मुझे कुछ नहीं चाहिए। मैं वर्जिन हूं। मैं शादी के बाद ही करूंगी।' शिल्पा के इस अंदाज पर श्रेया भी हंसने लगती हैं और फिर वह अभिनेता हर्षद चोपड़ा की मिमिक्री करते हुए कहती हैं, 'शिवांगी, तुम क्या सोच रही हो?' इसके बाद वह खुद ही शिवांगी के अंदाज में जवाब देती हैं, 'पता नहीं, लेकिन जब ये सीक्रेट रिवील होगा ना, तब मैं बहुत हंसूंगी, क्योंकि इसमें कुछ नहीं।' यह पूरा मामला तब हुआ जब शिल्पा और श्रेया ने कुछ दूरी पर खड़े शिवांगी जोशी और हर्षद चोपड़ा को आपस में बातचीत करते देखा। दोनों ने उसी बातचीत को आधार बनाकर उनकी मिमिक्री शुरू कर दी। इस दौरान शिवांगी ने उनकी बातों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। यह पहली बार नहीं है जब शिल्पा शिंदे का व्यवहार शिवांगी जोशी को लेकर चर्चा में आया हो। इससे पहले भी एक एपिसोड में शिल्पा ने कंट्रोलर के रूप में शिवांगी को हर्षद चोपड़ा से कम बात करने का ऑर्डर दिया था।

उज्जैन संभाग

पति को कैंसर, बिना तलाक पत्नी ने की दूसरी शादी

दैनिक इंदौर संकेत

रतलाम ●रतलाम में सोशल मीडिया से शुरू हुई एक प्रेम कहानी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक तरफ जहां पति कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहा है, वहीं उसकी पत्नी पर कानूनी रूप से तलाक लिए बिना ही दूसरी शादी करने का आरोप लगा है। अब इस मामले में कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी पत्नी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है।

रतलाम की राजस्व कॉलोनी के रहने वाले आकाश जाट की मुलाकात इंस्टाग्राम के जरिए रतलाम की ही साक्षी नकुम से हुई थी। 6 महीने की दोस्ती के बाद दोनों ने 20 नवंबर 2022 को इंदौर के आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली। शुरुआत में परिवारों ने विरोध किया, लेकिन बाद में वे मान गए। 13 दिसंबर 2022 को पूरे रीति-रिवाजों के साथ रतलाम में दोबारा शादी की गई।

शादी के महज चार महीने बाद आकाश की तबीयत बिगड़ने लगी। वडोदरा (गुजरात) में जांच के दौरान 10 अप्रैल 2023 को पता चला कि आकाश को सांस नली का कैंसर है।

आकाश का कहना है कि कैंसर का पता चलते ही साक्षी का व्यवहार पूरी तरह बदल गया। उसने साथ निभाने के बजाय दूरी बना ली और कहा- तुम तो कल मर जाओगे, मेरा क्या होगा?

आकाश जब अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहा था, तब साक्षी ने महिला थाने में उसके खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज करा दी। हालांकि, मेडिकल रिकॉर्ड पेश करने पर पुलिस ने आकाश पर कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद साक्षी ने फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर कर दी।

कन्नौद में पुतला दहन को लेकर पुलिस-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में छीना-झपटी

दैनिक इंदौर संकेत

खातेगांव। ● कन्नौद में रविवार को कांग्रेस और किसान कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने किसानों की अलग-अलग मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता पहले एसडीएम दफ्तर परिसर में इकट्ठा हुए, जिसके बाद वे रैली निकालकर बस स्टैंड पहुंचे।यहां करीब एक घंटे तक प्रदर्शन किया गया, जिसमें केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ नारे लगाए गए। वक्ताओं ने किसानों की समस्याओं को सामने रखते हुए सरकार पर निशाना साधा।

प्रदर्शन के बाद, कार्यकर्ता केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री मोहन यादव और कृषि मंत्री एंदल सिंह कंसाना के तीन प्रतीकात्मक पुतले लेकर पहुंचे। ये पुतले पहले से ही अलग-अलग जगहों पर छिपाकर रखे गए थे। कार्यकर्ताओं ने इनमें से दो पुतलों में पहले ही आग लगा दी थी और उन्हें जलती हुई हालत में प्रदर्शन वाली जगह तक लाए। मौके पर तैनात पुलिस ने तुरंत फायर ब्रिगेड की मदद से दोनों

पुतलों की आग बुझा दी।

तीसरा पुतला कार्यकर्ता बिना आग लगाए ही लेकर आए थे। हालांकि, भारी पुलिस बल की मौजूदगी के कारण वे उसे जला नहीं पाए। पुतला जलाने की कोशिश को लेकर पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच छीना-झपटी भी हुई। आखिरकार कार्यकर्ता पुतला लेकर वहां से चले गए और तीसरा पुतला नहीं जलाया जा सका। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने ई-टोकन खाद व्यवस्था खत्म करने, मूंग की पूरी सरकारी खरीदी पक्की करने, किसानों के रुके हुए मामलों का जल्द निपटारा करने, ली गई जमीन का सही मुआवजा देने और ज्यादा बारिश व जलभराव से खराब हुई फसलों का सर्वे कर मुआवजा देने की मांग की। प्रदर्शन वाली जगह पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात था। इस प्रदर्शन में देवास जिला प्रभारी विनय बाकलीवाल, किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वजीत सिंह चौहान, पूर्व विधायक कैलाश कुंडल, कांग्रेस और किसान कांग्रेस के ब्लॉक एवं नगर अध्यक्ष, पदाधिकारी और खातेगांव विधानसभा क्षेत्र के बड़े नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कैरेट मीटर मशीन लगाई, 5 मिनट में पता चलेगी सोने-चांदी की शुद्धता

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति ने दान में मिलने वाले सोने-चांदी के आभूषणों की जांच को पूरी तरह पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अब मंदिर में आने वाले बहुमूल्य आभूषणों की शुद्धता जांचने के लिए अत्याधुनिक कैरट मीटर मशीन 'XRF' (एक्स-रे फ्लोरेसेंस) का उपयोग किया जाएगा। इस मशीन से दान में मिले सोने-चांदी की गुणवत्ता और कैरट का पता कुछ ही मिनटों में लगाया जा सकेगा।

महाकाल मंदिर की उप प्रशासक एवं डिप्टी कलेक्टर सिम्मी यादव ने बताया कि मंदिर प्रबंध समिति ने सीएसआर फंड के माध्यम से करीब 15 लाख रुपए की लागत से यह अत्याधुनिक कैरट मीटर मशीन महाराष्ट्र से मंगवाई है। मशीन मंदिर परिसर में पहुंच चुकी है और आवश्यक तैयारियां पूरी होने के बाद सोमवार से इसका संचालन शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस पहल के साथ महाकाल मंदिर देश के उन चुनिंदा मंदिरों में शामिल हो जाएगा, जहां दान में मिलने वाले बहुमूल्य आभूषणों के परीक्षण के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

दानदाता के सामने होगी जांच, आभूषण को नहीं पहुंचेगा नुकसान - कैरट मीटर मशीन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह किसी भी सोने या चांदी के आभूषण को काटे, घिसे या पिघलाए बिना उसकी शुद्धता, कैरट और उसमें मौजूद अन्य धातुओं की मात्रा की सटीक जानकारी देती है।

मंदिर प्रशासन के अनुसार अब जो भी श्रद्धालु सोने-चांदी के आभूषण दान करेंगे, उनकी जांच दानदाता के सामने ही की जाएगी। इससे दान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी और मंदिर के रिकॉर्ड में दर्ज होने वाली जानकारी भी पूरी तरह प्रमाणिक रहेगी। अब तक दान में प्राप्त सोने-चांदी के आभूषणों की तीन रसीदें बनाई जाती थीं। एक रसीद के साथ आभूषणों को मंदिर के कोठार में सुरक्षित रखा जाता था। इसके बाद मंदिर की अधिकृत तीन सदस्यीय सुनार समिति आभूषणों की जांच करती थी और वही यह तय करती थी कि दान में प्राप्त धातु शुद्ध सोना या चांदी है या नहीं।

तीसरी सवारी और नागपंचमी साथ, नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट खुलेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में इस बार सावन में दुर्लभ संयोग बनने जा रहा है। 17 अगस्त को सावन की तीसरी सवारी और नागपंचमी एक ही दिन पड़ रही है। इसी दिन साल में सिर्फ एक बार खुलने वाले नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट भी श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। दोनों बड़े आयोजन एक साथ होने से महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसे देखते हुए, मंदिर प्रशासन विशेष तैयारियों में जुट गया है।

2019 के बाद फिर बना संयोग

करीब सात साल बाद फिर ऐसा संयोग बन रहा है, जब सावन की तीसरी सवारी और नागपंचमी एक ही दिन होगी। इससे पहले 2019 में भी ऐसा ही संयोग बना था। उस समय भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकाल की सवारी और नागचंद्रेश्वर के दर्शन के लिए उज्जैन पहुंचे थे।

24 घंटे के लिए खुलते हैं नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट

महाकालेश्वर मंदिर के शिखर पर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट साल में केवल एक बार नागपंचमी पर 24 घंटे के लिए खोले जाते हैं। इस दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इसी दिन सावन के तीसरे सोमवार को महाकाल की शाही सवारी भी निकलेगी, जिससे श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की संभावना है।

बैठक कर बनाई जाएगी विशेष व्यवस्था

महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि तीसरी सवारी और नागपंचमी एक ही दिन होने के कारण दर्शन और भीड़ प्रबंधन के लिए अलग से बैठक बुलाई जाएगी। बैठक में पुलिस, प्रशासन, मंदिर समिति के अधिकारी और सदस्य शामिल होंगे। श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष योजना बनाई जाएगी।

नागचंद्रेश्वर की प्रतिमा है दुर्लभ

सावन शुक्ल पक्ष की पंचमी को नागपंचमी का पर्व मनाया जाता है। इसी दिन नागचंद्रेश्वर मंदिर के दर्शन का अवसर मिलता है। मंदिर में स्थापित प्रतिमा 11वीं शताब्दी की मानी जाती है। इसमें फन फैलाए नाग पर भगवान शिव और माता पार्वती विराजमान हैं। यह प्रतिमा अपनी तरह की दुर्लभ मानी जाती है और वर्षभर में केवल एक दिन ही श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए उपलब्ध रहती है।

'नशा मुक्त अभियान 2.0' बना रिकार्ड

इंदौर। नशे से दूरी..... नशे से मुक्त अभियान के अंतर्गत शपथ लेने वाले की संख्या का आज बना वर्ल्ड रिकार्ड। इसके साथ ही एसीपी राजेश दंडोतिया द्वारा जागरूकता सेशन लेने का भी एक और वर्ल्ड रिकार्ड बना। **फोटो दैनिक इंदौर संकेत**

150 पाव अवैध मदिरा एवं वाहन जब्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर जिले में कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश एवं सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में संचालित नशा मुक्त अभियान 2.0 के तहत आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक श्रीमती प्रियंका रानी चौरसिया एवं उनकी टीम ने गत दिवस गश्त के दौरान पवनपुत्र नगर क्षेत्र में संदेह के आधार पर दोपहिया वाहन की तलाशी के दौरान वाहन में रखे 150 पाव बरामद की गई।

कंपन की शिकायत वाले महंत कॉम्प्लेक्स में ही रहेंगे मेट्रो के जीएम, किराए से लिया फ्लैट

राजपूत बोले- निर्माण से कोई खतरा नहीं, तकनीकी उपकरणों से होगी निगरानी, रहवासियों की आशंकाओं को दूर करने की कोशिश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मल्हारगंज क्षेत्र में अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन निर्माण के दौरान कंपन और भूकंप जैसे झटके महसूस होने की शिकायतों के बाद अब मेट्रो प्रबंधन ने मौके पर निगरानी बढ़ा दी है। रहवासियों की आशंकाओं को दूर करने के लिए मेट्रो के जनरल मैनेजर रणवीर सिह राजपूत ने उसी बहुमंजिला इमारत महंत कॉम्प्लेक्स में फ्लैट किराए पर लिया है, जिसके लिए वे 20 हजार रुपए प्रतिमाह किराया भी चुकाएंगे। इसी महंत कॉम्प्लेक्स से सबसे ज्यादा शिकायतें सामने आई थीं। वे अब निर्माण कार्य के दौरान होने वाली गतिविधियों और कंपन की स्थिति पर खुद नजर रखेंगे।

मेट्रो प्रबंधन ने बताया- तकनीकी जांच में नहीं मिला कंपन-मेट्रो अधिकारियों के अनुसार निर्माण स्थल पर शनिवार को तकनीकी जांच की गई, लेकिन किसी तरह का असामान्य कंपन सामने नहीं आया। अधिकारियों का कहना है कि खुदाई के दौरान जेसीबी से मिट्टी हटाने पर आवाज और हलचल होती है, जिसे कुछ लोग कंपन समझ रहे हैं। मेट्रो प्रबंधन का दावा है कि भूमिगत खुदाई की प्रक्रिया में इस तरह का खतरनाक कंपन तकनीकी रूप से संभव नहीं है।

फ्लैट में लगाए गए तकनीकी उपकरण-मेट्रो जीएम रणवीर सिह राजपूत का कहना है कि निर्माण कार्य से किसी तरह का खतरा नहीं है। वे खुद और उनका स्टाफ महंत कॉम्प्लेक्स में रहकर स्थिति की निगरानी करेंगे। फ्लैट में कंपन और अन्य तकनीकी गतिविधियों की जांच के लिए विशेष उपकरण भी लगाए गए हैं, जिससे निर्माण कार्य के प्रभाव का वैज्ञानिक तरीके से आकलन किया जा सकेगा।

रहवासियों की शिकायत के बाद रोका गया था काम-मल्हारगंज क्षेत्र में अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन के लिए खुदाई का काम चल रहा है। इस दौरान कुछ रहवासियों ने इमारतों में कंपन और भूकंप जैसे झटके महसूस होने की शिकायत की थी। इसके बाद स्थानीय स्तर पर विरोध हुआ और कुछ समय के लिए निर्माण कार्य प्रभावित हुआ। अब मेट्रो प्रबंधन मौके की स्थिति का अध्ययन कर रहा है।

दिन में खुदाई, रात में कांक्रीटिंग का काम

मेट्रो अधिकारियों ने बताया कि रहवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए काम की टाइमिग तय की गई है। खुदाई और बोरिंग का कार्य दिन में किया जा रहा है, जबकि रात के समय केवल कांक्रीटिंग जैसे कार्य किए जाते हैं। अधिकारियों का कहना है कि देश के अन्य शहरों में मेट्रो निर्माण 24 घंटे तक चलता है, लेकिन इंदौर में स्थानीय लोगों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। मेट्रो प्रबंधन का कहना है कि जीएम के मौके पर रहने से निर्माण कार्य की पारदर्शिता बढ़ेगी और रहवासियों की विताओं का समाधान तथ्यात्मक तरीके से किया जा सकेगा।

सप्लीमेंट्री में भी फेल हुए तो नहीं रुकेगा साल, सेकंड ईयर में जारी रख सकेंगे पढ़ाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने यूजी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को बड़ी राहत दी है। नई शिक्षा नीति के तहत लागू परीक्षा व्यवस्था में अब ऐसे छात्र भी अपना अगला शैक्षणिक वर्ष जारी रख सकेंगे, जो सितंबर में होने वाली सप्लीमेंट्री परीक्षा में भी किसी विषय में सफल नहीं हो पाते हैं।

विश्वविद्यालय के अनुसार, बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए, बीसीए सहित 11 स्नातक पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को यह सुविधा मिलेगी। ऐसे छात्र सेकंड ईयर में प्रवेश लेकर नियमित पढ़ाई कर सकेंगे और अप्रैल में प्रस्तावित मुख्य परीक्षा में भी शामिल हो सकेंगे। हालांकि उन्हें फर्स्ट ईयर के उस विषय को सेकंड ईयर की परीक्षा से पहले या उसके साथ पास करना होगा, जिसमें सप्लीमेंट्री शेष रह गई हो।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशेष तिवारी ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों का शैक्षणिक वर्ष बचाने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की गई है। इससे छात्रों को एक साल की देरी और अतिरिक्त फीस के बोझ से राहत मिलेगी। विवि सितंबर के पहले सप्ताह में सप्लीमेंट्री परीक्षा आयोजित करेगा, जिसमें करीब 15 हजार विद्यार्थियों के शामिल होने की संभावना है। बीए और बीएससी के परिणाम अभी जारी होना बाकी हैं, इसलिए यह संख्या और बढ़ सकती है। नई व्यवस्था के तहत 14 से 39 क्रेडिट स्कोर वाले विद्यार्थी सप्लीमेंट्री के पात्र होंगे। 40 या उससे अधिक क्रेडिट पर छात्र उत्तीर्ण माने जाएंगे, जबकि इससे कम क्रेडिट वाले विद्यार्थियों को असफल घोषित किया जाएगा। यह क्रेडिट आधारित प्रणाली नई शिक्षा नीति के अनुसार लागू की गई है। शिक्षाविदों का मानना है कि यह व्यवस्था विद्यार्थियों के हित में है। पहले सप्लीमेंट्री में असफल होने पर छात्रों को पूरा वर्ष दोबारा करना पड़ता था, जबकि अब वे पढ़ाई जारी रखते हुए लंबित विषय पास कर सकेंगे। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को सप्लीमेंट्री परीक्षा की तैयारी गंभीरता से करने की सलाह भी दी है।

निगम के जिम्मेदार दौरे मिटिंग में व्यस्त, जोन 11 दौलतगंज में बेख़ौफ़ बिना अनुमति धड़ल्ले से निर्माण

अब वर्तमान बिल्डिंग ऑफिसर, इंस्पेक्टर की खुली छूट, बिना नक्शे निर्माण के साथ तान दिया मोबाइल टॉवर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर नगर निगम के जिम्मेदार जिनमें निगमायुक्त क्षितिज सिंघल हो या मेयर पुष्यमित्र भार्गव। दिनभर कभी यहां तो कभी वहां दौरे और भ्रमण और मीटिंगों में व्यस्त रहते हैं। वहीं दूसरी तरफ नगर निगम के बिल्डिंग ऑफिसर और बिल्डिंग इंस्पेक्टर का खेला बिंदास, बेखौफ और खुलेआम जारी हैं। दरअसल जोनल कार्यालय 11 के वार्ड 60 स्थित 80/3 दौलतगंज उर्दू मैदान रोड का अवैध बेतहाशा निर्माण इन्हीं निगम जिम्मेदारों को मुंह चिढ़ा रहा हैं। क्योंकि जब खुद नगर निगम उक्त निर्माण कार्य को लेकर लिख कर दे रहा है कि उक्त पते पर निगम ने 2015 से आजतक किसी भी निर्माण, नक्शे की अनुमति नहीं दी हैं।

फिर भी यहां निर्माणकर्ता शकील ओलंपिक द्वारा निर्माण लगातार जारी हैं। फिलहाल शकील ओलंपिक के खास पनाहगार। कांग्रेस पार्षद पति

अंसाफ अंसारी की हालत पतली है क्योंकि कोर्ट ने उनकी पति का जानकारी छुपाने के चलते निर्वाचन शून्य कर दिया हैं। लेकिन शकील ओलंपिक द्वारा फिर भी निर्माण लगातार जारी हैं। बिना नक्शे के बेसमेंट, दुकानें, तीन मंजिला निर्माण और अब यहां इसी पर मोबाइल टॉवर तक तानने की तैयारी पूरी हो चुकी हैं। लेकिन निगम अमला सो रहा हैं। बिल्डिंग ऑफिसर और बिल्डिंग इंस्पेक्टर उक्त अवैध निर्माण को नजरअंदाज कर रहे है या फिर उनका ही इन लोगों को खुला संरक्षण है। लिहाजा निर्माणकर्ता को किसी का खौफ नहीं हैं।

80/3 दौलतगंज उर्दू मैदान नगर निगम के जोन 11 और वार्ड 60 का हिस्सा हैं। यहां पूर्व में भवन अधिकारी गीतेश तिवारी, बिल्डिंग इंस्पेक्टर जिशान चिश्ती थे। बताया जा रहा है कि यह सबकुछ इन लोगों का ही किया धरा है जो कांड कर के निकल गए। लेकिन वर्तमान भवन अधिकारी और वर्तमान बिल्डिंग इंस्पेक्टर अभिनव रॉय की भी कोई रुचि नहीं हैं। इन वर्तमान निगम के जिम्मेदार को भी अवैध निर्माण पर कार्यवाही करने की कुछ पड़ी नहीं हैं। हर बार पूछने पर सिर्फ नोटिस जारी करने के बहाने ये जिम्मेदार बना रहे हैं।

उज्जैन रोड से बाणगंगा-मरीमाता तक मिलेगा सिग्नल फ्री सफर

लवकुश फ्लाईओवर पर दौड़ेंगे वाहन, अगले हफ्ते पहली लेन खुलने के बाद मिलेगी जाम से मुक्ति

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर के सबसे बहुप्रतीक्षित लवकुश डबल डेकर फ्लाईओवर का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) अगले सप्ताह फ्लाईओवर की पहली लेन आम यातायात के लिए खोलने जा रहा है। इसके शुरू होते ही अरविंदो अस्पताल और उज्जैन रोड की ओर से आने वाले वाहन बिना लवकुश चौराहे पर रुके सीधे बाणगंगा, मरीमाता और सांवेर रोड की ओर जा सकेंगे। इससे रोजाना हजारों वाहन चालकों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी और यात्रा का समय भी कम होगा।

आईडीए के अनुसार, अरविंदो अस्पताल से बाणगंगा जाने वाली भुजा का लोड टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है और सुरक्षा संबंधी मंजूरी भी मिल गई है। इसके बाद इस लेन को परीक्षण अवधि (ट्रायल रन) के तौर पर यातायात के लिए खोलने का निर्णय लिया गया है। हालांकि फ्लाईओवर पर लाइटिंग और कुछ फिनिशिंग कार्य यातायात शुरू होने के बाद भी जारी रहेंगे।

डामरीकरण और अंतिम फिनिशिंग बाकी-आईडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी परीक्षित झाड़े ने बताया कि पहली भुजा अगले सप्ताह वाहनों के लिए खोल दी जाएगी। वहीं दूसरी भुजा, जो बाणगंगा से उज्जैन रोड की ओर जाएगी, का निर्माण तेजी से चल रहा है और इसे 31 अगस्त तक पूरा कर यातायात के लिए शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। इस हिस्से का अधिकांश निर्माण पूरा हो चुका है। अब डामरीकरण और अंतिम फिनिशिंग का काम बाकी है। करीब 175 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा यह 1,454 मीटर लंबा छह लेन का डबल डेकर फ्लाईओवर शहर की सबसे महत्वपूर्ण यातायात परियोजनाओं में शामिल है। इसकी खासियत यह है कि इसके नीचे मेट्रो कॉरिडोर गुजर रहा है। फ्लाईओवर के निर्माण में 24 स्पैन पर 247 प्रीकास्ट सेगमेंट लगाए गए हैं, जबकि मेट्रो लाइन के ऊपर विशेष स्टील गर्डर और ब्रिज स्ट्रक्चर तैयार किया गया है।

एमओजी लाइन का कीमती भूखंड नहीं बेच पाई स्मार्ट सिटी कंपनी

एक बार फिर से की जा रही है कोशिश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • स्मार्ट सिटी कंपनी एमओजी लाइन स्थित री-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत विकसित किए गए भूखंड बेचने की फिर कोशिश में है। यह भूखंड काफी महंगा होने के कारण लगातार तीसरी मर्तबा नए सिरे से टेंडर की तैयारी लगभग पूरी हो गई है, जो जल्द ही जारी करने की योजना बनाई जा रही है।

बताया जा रहा है कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत स्मार्ट सिटी के लिए चिह्नित किए गए क्षेत्र में विकास कार्य कराए तो गए लेकिन अभी की स्थिति में देखा जाए तो इस क्षेत्र में कई काम होना है। प्रोजेक्ट के अंतर्गत डेवलपमेंट के लिए एक क्षेत्र का शेष काम रहा जिसमें लाब्रिया भेरू के पास एमओजी लाइन क्षेत्र को भी री-डेवलपमेंट के लिए चिन्हित किया गया था। यहां सरकारी जमीनों के निर्माण को तोड़कर एक और जमीन को समतल भू भाग के रूप में तब्दील किया गया है। वहीं दूसरी ओर इस जमीन पर भूखंड को विक्रय करने का काम भी शुरू किया गया है। यह भी प्रयास किया जा रहा है कि जल्द ही भूखंड को नीलाम किया जा सकें ताकि इससे मिलने वाली राशि का उपयोग हो सकता है। वैसे देखा जाए तो नगरीय प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे के निर्देश पर इस इलाके में बनाए गए बड़े बड़े प्लाटों के स्थान पर छोटे प्लाट किए गए और फिर नए सिरे से फिर से योजना बनाई गई ताकि अब छोटे भूखंडों को आसानी से बेचा जा सके। पहले जो दो बार प्रयास हुए थे उसमें बड़े भूखंडों को बेचने की योजना थी, इसलिए कोई लेने को तैयार कंपनी नहीं आ रही थी, लेकिन अब संभावना है कि यह काम पूरा किया जा सकता है। फिलहाल तैयारियां हैं और जल्द ही छोटे भूखंडों को नीलाम किया जा सकता है।

निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने बताया कि नगरीय प्रशासन विभाग के निर्देश पर काम किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी कंपनी और निगम मिलकर काम कर रहा है।

निरंजनपुर-सत्यसाई फ्लाईओवरों की सर्विस रोड का निर्माण शुरू, धीमे काम पर निगम सख्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • निरंजनपुर चौराहा और सत्यसाई चौराहा पर निर्माणाधीन फ्लाईओवरों के साथ सर्विस रोड का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। हाल ही में प्रशासन ने इन परियोजनाओं में बाधक बने अवैध निर्माणों को हटाया था, जिसके बाद सड़क निर्माण को गति मिली है। हालांकि फ्लाईओवर निर्माण की धीमी रफ्तार के कारण देवास नाका से सत्यसांई चौराहा तक दिनभर यातायात जाम की स्थिति बनी हुई है। एमपीआरडीसी द्वारा बनाए जा रहे इन फ्लाईओवरों की प्रगति को लेकर प्रशासन पहले भी नाराजगी जता चुका है। कलेक्टर इलैया राजा टी ने भी निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर गति बढ़ाने के निर्देश दिए थे। निरंजनपुर क्षेत्र

में बाधाएं हटने के बाद अब सर्विस रोड निर्माण शुरू होने से स्थानीय यातायात को भविष्य में राहत मिलने की उम्मीद है। इधर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शहर में निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़कों और अन्य परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने तिलक नगर, खजराना गणपति, योजना-155, तेजपुर गड़बड़ी से ट्रेजर टाउन तथा बिजलपुर क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान बिजलपुर में सड़क निर्माण की गति बेहद धीमी पाए जाने पर आयुक्त ने संबंधित निर्माण एजेंसी पर नाराजगी जताई। उन्होंने ठेकेदार फर्म एन. नारंग पर प्रतिदिन जुर्माना लगाने और टर्मिनेशन नोटिस जारी करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। आयुक्त सिंघल ने ग्रेटर कैलाश रोड पर निर्माणाधीन मल्टीलेवल पार्किंग का भी निरीक्षण किया और शेष कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इस पार्किंग में करीब 150 कारों और 150 से अधिक दोपहिया वाहनों के लिए पार्किंग सुविधा उपलब्ध होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।